सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 242 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 15 जून 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

साय सरकार में तेजी से आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़

आंकड़े दे रहे गवाही, मजदूरों को रोजगार देने के मामले में 4 साल का रिकार्ड टूटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसकी गवाही आंकड़े भी दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में मनरेगा के अंतर्गत 4 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। छत्तीसगढ़ में मनरेगा न सिर्फ मजदूरों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहा है बल्कि उनके जीवन में व्यापक बदलाव भी ला रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य मनरेगा के क्रियान्वयन में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में माह अप्रैल में 2 करोड़ 57 लाख तथा माह मई में 3 करोड़ 15 लाख रोजगार सृजित हुए। इसी प्रकार मई तक 5 करोड़ 82 लाख से अधिक मानव दिवस का रोजगार सृजन कर विगत चार वित्तीय वर्ष के माह अप्रैल और मई में हुए सृजित मानव दिवस का आंकड़ा प्राप्त कर नई उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में मई माह तक 4 करोड़ 81 लाख, वर्ष 2022-23 में मई माह तक 1 करोड़ 19 लाख, वर्ष 2023-24 में मई माह तक 4 करोड़ 49 लाख तथा 2024-25 में मई माह तक 5 करोड़ 72 लाख रोजगार का सृजन हुआ है। मनरेगा अंतर्गत विगत 6 माह में 10 करोड़ 93 लाख मानव दिवस सृजित हुआ, वही 1 लाख 73 हजार निर्माण कार्य पूर्ण हुआ।

माओवाद प्रभावित 87 गांवों में मनरेगा से काम

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री विजय शर्मा ने बताया कि सीएम विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नियद नेल्लानार योजनान्तर्गत माओवाद प्रभावित इलाके के 87 ग्रामों को चिन्हित कर मनरेगा योजना से वृहद पैमाने पर कार्यों की स्वीकृति कर नियमित रोजगार के अवसर मुहैया कराए जा रहे हैं। इससे उक्त अंदरूनी क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों को रोजगार सुलभ हो रहा है। मनरेगा अंतर्गत वनाधिकार पट्टाधारी परिवारों को हितग्राहीमूलक कार्यों के माध्यम से जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का सकारात्मक प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए प्रदेश स्तर से विभागीय अधिकारियों को नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दिशा में नियमित समीक्षा और राज्य स्तर से बेहतर क्रियान्वयन रणनीति का परिणाम है कि मनरेगा नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

हर रोज 59 हजार से अधिक श्रमिकों को रोजगार

सीएम विष्णुदेव साय के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक आजीविका संवर्धन एवं रोजगार की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ ही जल संरक्षण की दिशा में भी कार्य किए जा रहे हैं। अमृत सरोवर के निर्माण में प्रतिदिन लगभग 59 हजार से अधिक श्रमिकों को रोजगार मिल रहा है, जो देशभर में सर्वाधिक है। अमृत सरोवर के क्रियान्वयन में प्रदेश के कार्यों की केंद्र स्तर पर सराहना की गई है। आगामी चार वर्षों में 8966 ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर निर्माण करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि राज्य के प्रत्येक ग्राम पंचायतों को इस योजना से लाभान्वित किया जा रहा है।

खास-खबर

8 नक्सलियों के मारे जाने की खबर, दो दिनों से चल रही मुठभेड़

बस्तर। नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच बीते दो दिनों से लगातार मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबल के जवानों ने कई नक्सलियों को मार गिराने का दावा किया है। प्रारंभिक रूप से आ रही खबरों के मुताबिक, अब तक 8 नक्सलियों को मार गिराया गया है। हालांकि फिलहाल सर्चिंग और अभियान जारी है। नक्सली रुक-रुककर गोलीबारी कर रहे हैं, जिसका जवाब बस्तर के चार जिलों नारायणपुर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा और कांकेर के सुरक्षा बल के जवान दे रहे हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में कुतुल, फरसबेड़ा व कोडतामेटा क्षेत्र में संयुक्त नक्सल विरोधी अभियान आयोजित किया गया था। इस संयुक्त अभियान में नारायणपुर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा और कांकेर के डीआरजी, एसटीएफ व आईटीबीपी 53 वीं वाहिनी के बल को शामिल किया गया। 14 जून से इलाके में मुठभेड़ चल रही है। सुरक्षाबल के जवान अंदरूनी क्षेत्र और मुठभेड़ स्थलों में सर्चिंग कर रहे हैं।

रखा जाएगा जातीय व सामाजिक समीकरणों का ध्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में निगम-मंडलों में नियुक्तियों की कवायद शुरू हो गई है। पता चला है कि मंत्रिमंडल की ही तर्ज पर इन नियुक्तियों में भी जातीय व सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखा जाएगा। प्रदेश भाजपा कार्यालय में दावेदारों की भीड़ भी नजर आने लगी है। कहा जा रहा है कि जिन नेताओं-कार्यकर्ताओं ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव में ईमानदारी के साथ मेहनत की है, उन्हें इन नियुक्तियों में वरीयता दी जा सकती है। पार्टी ने कार्यकर्ताओं पर पहले से ही पैनी नजर रखी थी। उनके परफारमेंस और स्थानीय समीकरणों को भी देखे जाने की चर्चा है।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा और लोकसभा चुनाव निपटने के बाद अब निगम-मंडलों में नियुक्ति होनी है, जिसे लेकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और नेता सक्रिय हो गए हैं। वे पार्टी के विधायकों, सांसदों और जनप्रतिनिधियों के चक्कर लगा रहे हैं। हालांकि इस संदर्भ में डिप्टी सीएम विजय शर्मा का कहना है कि निगम-मंडलों का प्रश्न मुख्यमंत्री का विशेष अधिकार है। वे जो फैसला करेंगे, सभी नेताओंव कार्यकर्ताओं को स्वीकार होगा।

गौरतलब है कि इन दिनों विधायकों, सांसदों के बंगलों के अलावा प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ रही है। भाजपा नेता और कार्यकर्ता इस उम्मीद में है कि जिस ईमानदारी से उन्होंने विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पार्टी को जिताने में मेहनत की उसका प्रतिफल उन्हें मिलेगा। गुरुवार को क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल से मिलने पहुंचे सांसदों से भी मुलाकात कर कई भाजपा नेताओं ने अपना बायोडाटा सौंपा है। वहीं कई नेता और कार्यकर्ता नियुक्ति के लिए दिल्ली तक की दौड़ लगा रहे हैं।

तैयार हो रहा समर्पित कार्यकर्ताओं की लिस्ट

ये भी पता चला है कि भाजपा हाईकमान समर्पित कार्यकर्ताओं की लिस्ट तैयार कर रहा है। मंत्रिमंडल की तरह निगम-मंडल की नियुक्तियों में भी जातिवाद क्षेत्रीयवाद का ख्याल रखा जाएगा। इस संबंध में डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सेवा भाव से काम करते हैं। निगम मंडल का प्रश्न मुख्यमंत्री का विशेष अधिकार है। बता दें कि जल्द ही प्रदेश में निगम और मंडलों में नियुक्तियां की जा सकती है। विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद बहुत ही कम समय में लोकसभा के लिए आचार संहिता लागू हो गई थी। इस कारण इस दिशा में काम नहीं हो पाया। केबिनेट मंत्रियों के नीचे राज्यमंत्री के तौर पर संसदीय सचिवों की भी नियुक्तियां बाकी है। हालांकि फिलहाल इसके लिए किसी तरह की कवायद की खबर नहीं है।

दुर्ग के खोपली गांव में सनसनीखेज घटना पत्नी का गला काटकर खुद फंदे पर झूला पति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के उतई थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां खोपली गांव निवासी हेंगल बंजारे (45) ने अपनी पत्नी दशोदा बाई (43) की बेरहमी से हत्या की। उसके बाद खुद भी फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने दोनों शवों को पीएम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। विवाद का कारण अस्पष्ट है। घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है।

पाटन एसडीओपी आशीष बंछोर के मुताबिक, हेंगल अपनी पत्नी दशोदा के साथ शुक्रवार को शाम 6 बजे के करीब खेत गया था। दम्पत्ति खेत तो गए, लेकिन वापस नहीं लौटे। जब घर के लोग उन्हें खोजते खेत पहुंचे तो देखा कि स्टोर रूम का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाजें देने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने दीवार पर बने एक होल से अंदर झांका तो नजारा दिल दहला देने वाला था। हेंगल फंदे पर लटका था और नीचे जमीन पर दशोदा की खून से लथपथ लाश पड़ी थी।

उतई थाना प्रभारी मनीष शर्मा बताया कि उन्हें रात 10 बजे सूचना मिली तो वे अपनी टीम लेकर मौके पर पहुंचे। वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। लोगों ने दरवाजा तोड़ने का काफी प्रयास किया, लेकिन बेहद मजबूत होने की वजह से दरवाजा टूट नहीं पाया। इसके बाद दीवार में छेनी-हथोड़ी के सहारे गड्ढा किया गया। अंदर का नजारा दिल दहला देने वाला था। जमीन पर दशोदा बाई की लाश खून से लथपथ लाश पड़ी थी और हेंगल फंदे से लटका हुआ था। पुलिस ने दोनों शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद दुर्ग मरच्युरी भिझवाया। आज दोनों शवों का पोस्टमार्टम किया गया। इधर, हेंगल और दशोदा के दोनों बेटों और उनके परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

फावड़े से पत्नी पर किए कई प्रहार

उतई थाना प्रभारी ने बताया कि हेंगल ने स्टोर रूम में रखे फावड़े से दशोदा के ऊपर हमला किया। उसने दशोदा के गले और सिर में कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद खुद भी छत में लगी लकड़ी के सहारे फंदा बनाकर झूल गया। हेंगल ने इतना बड़ा और आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसका तो पता नहीं चल पाया है, लेकिन हत्या और आत्महत्या के बाद गांव में कई तरह की चर्चाएं व्याप्त है। टीआई का कहना है कि पुलिस हेंगल के बेटों, परिवारजनों व संबंधियों से पूछताछ करेगी। फिलहाल पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि पति-पत्नी के बीच किस तरह के संबंध थे और इतने बड़ा कदम उठाने के पीछे क्या वजह हो सकती है।

देर रात तोड़ा गया दरवाजा

पुलिस के मुताबिक, स्टोर रूम का दरवाजा और दीवार काफी मजबूत होने से टूट नहीं रही थी। गांव के लोगों की मदद से कई घंटों की मशक्कत के बाद देर रात एक बजे दीवार में होल करके किसी तरह दरवाजा खोला गया और उसके पुलिस स्टोर रूम के भीतर पहुंची। इस दौरान एसडीओपी पाटन और उतई पुलिस मौके पर मौजूद थे। पुलिस ने स्टोर रूम को सील कर दिया है।

नक्सलियों से मिले अदृश्य होने वाले स्पेशल सूट

जवानों को चकमा देकर बड़ा हमला करने की थी योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भारी बारिश के दौरान जवानों को जंगल में चकमा देने के लिए नक्सलियों ने पहले से ही बड़ी तैयारी कर रखी है। हालांकि, जवानों ने नक्सलियों के इस प्लान पर पानी फेर दिया है। दरअसल, जंगल में जवानों से मुठभेड़ के लिए नक्सलियों ने खास सूट बनाए हैं, जिन्हें पहनकर वे जंगल के माहौल में रच बस जाएंगे और जवानों को दिखाई नहीं देंगे। इसका फायदा उठाकर वे जवानों पर बड़े हमले भी करेंगे। हालांकि, इससे पहले ही पुलिस ने नक्सलियों की इस प्लानिंग का खुलासा कर दिया और जंगलों में से उन्होने अदृश्य होने के लिए बनाए 3 सूट को कब्जे में कर लिया है।

मीडिया से बात करते हुए पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को सुकमा जिले के कंगालतोंग इलाके में नक्सलियों की

मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिस पर तुरंत फैसला लेते हुए फोर्स को ऑपरेशन के लिए भेजा था। इस सूचना के बाद गुरुवार को बस्तर फाइटर, सीआरपीएफ व कोबरा कमांडो की संयुक्त टीम इलाके में मौजूद नक्सलियों के ठिकाने तक पहुंच गई। जैसे ही नक्सलियों ने जवानों के दल को अपनी तरफ बढ़ता देखा तो सभी भाग खड़े हुए। इसके बाद जवानों ने उस इलाके की सर्चिंग की तो भारी मात्रा में नक्सलियों द्वारा छोड़ा हुआ सामान बरामद हुआ। इसी में पुलिस को तीन स्पेशल सूट भी मिले।

जंगली माहौल के हिसाब से बने हैं सूट

बता दें कि पुलिस को नक्सलियों के पास से जंगल में जो सूट बरामद हुआ है उसमें पत्ती, फूल और काई सब लगा हुआ है। इसे पहनने के बाद वह जंगल के परिदृश्य में पूरी तरह से घुल-मिल जाएंगे। वहीं, इस सूट को पहनने के बाद उन्हें झाड़ियों और पत्तियों के बीच पहचानना काफी मुश्किल होगा। अक्सर इस तरह के खास सूट का उपयोग स्नाइपर टारगेट से छुपने के लिए करते हैं, ताकि वह दूर पहाड़ों या ऊंचे स्थान जैसे ही रंग में ढलकर दूर से ही निशाना बना सके।

3 सूट मिले, और कितने?

पुलिस को जंगलों से नक्सलियों के पास से अभी तक सिर्फतीन सूट मिले हैं। अब पुलिस इसका पता लगाने में जुट गई है कि नक्सलियों के पास ऐसे कितने सूट और हैं। इसको लेकर पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस सूट का यूज जंगल में छिपने या फिर जवानों पर हमले के लिए किया जा सकता है। वहीं, यह भी माना जा रहा है कि इस बार गर्मी में नक्सली टीसीओसी (टैक्टिकल काउंटर अफेंसिव कैंपेन) के दौरान जवानों पर कोई बड़ा हमला नहीं कर पाए हैं, जिसके बाद वह इस सूट का उपयोग बारिश में हमले के दौरान करने की फिराक में थे। हालांकि, नक्सलियों से सूट मिलने के बाद जवान और भी अधिक संतर्क हो गए हैं।

मछली पकड़ने पर 15 अगस्त तक रोक

रायपुर। वर्षा ऋतु प्रारम्भ होने के साथ ही छत्तीसगढ़ शासन ने मछलियों को पकड़ने और मारने पर पाबंदी लगा दी है। वर्षा ऋतु मछलियों के प्रजनन का वक्त होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए शासन ने पूरे राज्य में नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 के तहत 16 जून से 15 अगस्त 2024 तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) के रूप में घोषित कर दिया है। जानकारी के अनुसार प्रदेश के समस्त नदी-नालों तथा छोटी नदियों, सहायक नदियों में जिन पर सिंचाई के तालाब या जलाशय (बड़े या छोटे) जो निर्मित किए गए हैं में किए जा रहे केज कल्चर के अतिरिक्त सभी प्रकार का मत्स्याखेट 16 जून से 15 अगस्त 2023 तक पूर्णत: निषिद्ध रहेगा। उक्त नियमों का उल्लंघन करने पर छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य क्षेत्र अधिनियम के अन्तर्गत अपराध सिद्ध होने पर एक वर्ष का कारावास अथवा 10 हजार रुपए का जुर्माना अथवा दोनों सजा एक साथ होने का प्रावधान है। उक्त नियम केवल छोटे तालाब या अन्य जल स्त्रोत जिनका संबंध किसी नदी नाले से नहीं है, के अतिरिक्त जलाशयों में किए जा रहे केज कल्चर में लागू नहीं होगा।

सौर ऊर्जा से जगमगाएगा विधानसभा का नया भवन

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा भवन में सौर ऊर्जा का संयंत्र लगाया जाएगा। इसी से इस इमारत की बिजली की जरूरत पूरी होगी। अच्छा होता कि यह खबर निर्माण के बाद ब्रेकिंग न्यूज। खबरों में ''होगा और होगी'' सुनते-सुनते अब कान पक गए हैं। भारत में सौर ऊर्जा सबसे सस्ती और साफ ऊर्जा का स्रोत हो सकती है। 1980 के दशक के आरंभ में ही नवीकरणीय ऊर्जा के बारे में बातें शुरू हो चुकी थीं। 1981 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में ऊर्जा के अतिरिक्त स्रोतों के लिए एक आयोग की स्थापना के साथ ही इसकी चर्चा तेज हो गई। 1986-87 तक इसकी चर्चा भिलाई पहुंच चुकी थी। उन दिनों भजन सिंह निरंकारी विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण भिलाई-दुर्ग के अध्यक्ष थे। वे 5 साल तक ऊर्जा विकास निगम के भी अध्यक्ष रहे। छत्तीसगढ़ तब भी अविभाजित मध्यप्रदेश का ही हिस्सा था। कुछ सब्सिडी की बातें भी सुनने को मिल जाती थी। सोलार कुकर का भी एक दौर चला। कुछ लोगों को शासन ने यह मुफ्त में दिया। अधिकांश को यह भारी सब्सिडी पर उपलब्ध था। हालांकि इसमें कोई तकनीक नहीं थी। एक धातु का बड़ा बक्सा था जिसमें चार धातु की बड़ी कटोरियां रखी जाती थीं। इसके ढक्कन में दर्पण लगा होता था। इसे सूरज की ओर इस तरह घुमा कर रखना होता था कि सूरज की किरणें इससे टकराकर बक्से के भीतर पड़े। दावा था कि इससे दाल, चावल पकाने का काम आसानी से लिया जा सकता था। पर बहुत कम लोगों ने इसे आजमाया। चार दशक पहले शुरू की गई इस पहल के बाद विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने काफी तरक्की की। अब सोलर स्ट्रीट लाइट से सड़कें जगमगा रही हैं। गांवों में सोलर पैनल से पंप चलाकर टंकियां भरी जा रही हैं। सोलर पार्क बन रहे हैं। घरों में सोलर पैनल लगाने के लिए भारी सब्सिडी दी जा रही है। पर सौर ऊर्जा अब भी सेकण्डरी सोर्स ऑफ इलेक्ट्रिसिटी है। आज भी बिजली की मोटी जरूरत ताप विद्युत गृहों से ही पूरी होती है। जंगलों का कटना और कोयला भंडारों का अंधाधुंध दोहन जारी है। निजी क्षेत्र के इस क्षेत्र में प्रवेश के बाद, प्रकृति की यह क्षति दुगनी रफ्तार से हो रही है। मध्यप्रदेश का फेफड़ा कहलाने वाला हसदेव वन क्षेत्र भी जल्द ही बंजर हो जाएगा। कुछ लोग तर्क देते हैं कि सोलर पैनल तब बहुत महंगे थे। इसलिए लोग इसकी तरफ आकर्षित नहीं हुए। कोई कहता कि इसके रखरखाव को लेकर लोगों में संशय है। दोनों ही बहाने हैं। मकान की सजावट पर लाखों फूंकने वालों के लिए कीमत कोई वजह नहीं हो सकती। रखरखाव का संशय तभी दूर होगा जब यह इस्तेमाल में आएगा। सरकारी इमारतों की लागत में सोलर पैनल को भी शामिल करना था। 20 लाख से ऊपर की लागत वाले निजी भवनों के लिए भी इसे अनिवार्य कर देना चाहिए था। लोग अपनी बिजली खुद बनाते और प्रकृति भी मुस्कुराती।

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

संपादकीय

नीट से न्याय

नीट या मेडिकल प्रवेश परीक्षा विवाद को सुलझाने की कवायद जारी है, इसी कड़ी में सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को नीट-यूजी परीक्षा के आयोजन को चुनौती देने वाली सात याचिकाओं को स्वीकार कर लिया। खास यह कि एक याचिका में इस बार के नीट-यूजी परीक्षा की सीबीआई जांच की मांग की गई है। न्यायालय ने केंद्र सरकार के अलावा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी या एनटीए से भी जवाब मांगा है और अगली सुनवाई 8 जुलाई को बड़े फैसले की उम्मीद है।

> अब तक के घटनाक्रम से यह तो बिल्कुल साफहो गया है कि इस बार की प्रवेश परीक्षा में कुछ बड़ी कमियां रह गई हैं। इस बात के भी स्पष्ट संकेत हैं कि परीक्षा के साथ कोई न कोई गंभीर खिलवाड़ हुआ है। यह सुखद है कि एनटीए ने भी ग्रेस मार्क्स के खेल पर ध्यान दिया है और 1,563 छात्रों को फिर टेस्ट में बैठना पड़ेगा। टेस्ट का यह फैसला न्यायोचित है, जिन बच्चों के साथ ग्रेस मार्क्स की वजह से नाइंसाफी हुई है, उन्हें अब न्याय मिलने की संभावना बढ़ गई है।

बहरहाल, पूरी परीक्षा को नकार देने की कवायद ठीक नहीं है। लाखों विद्यार्थियों ने बहुत संसाधन और समय लगाकर परीक्षा दी है, उनके साथ न्याय होना चाहिए। अक्सर ऐसा होता है कि जो विद्यार्थी उत्तीर्ण नहीं होते, वे फिर से परीक्षा की मांग करते हैं, पर यहां किसी भी परीक्षा को न्यायोचित ढंग से ही देखना चाहिए। यहां भावना के ज्यादा मायने नहीं हैं। परीक्षा नियम-कायदे का मामला है, उसकी गुणवत्ता के साथ किसी भी तरह का समझौता किसी अन्याय से कम नहीं है। बहरहाल, कहीं न कहीं कुछ अन्याय हुआ है, तभी तो जगह-जगह उच्च न्यायालयों में परीक्षा को चुनौती दी गई है और एनटीए उचित ही चाहता है कि तमाम मामलों की सुनवाई एक ही जगह सर्वोच्च न्यायालय में हो। कोई आश्चर्य नहीं, एनटीए की ऐसी ही मांग पर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया गया है। इस पर भी 8 जुलाई को सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ व न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाश पीठ को पूरी कड़ाई के साथ प्रश्नपत्र लीक और कदाचार की सुनवाई करनी पड़ेगी। एक बड़ा खतरा यह है कि अगर कदाचार का सहारा लेने वाले माफिया अभी बच गए, तो मेडिकल प्रवेश परीक्षा पर हमेशा के लिए दाग लग जाएगा। यह संभव है कि इस कदाचार में एनटीए के भी कुछ लोग लिप्त रहे हों, अत: एनटीए की जांच पैनल पर कितना भरोसा किया जाए, यह फैसला अदालत को ही करना चाहिए। यह मांग शायद उचित है कि जांच अदालत की निगरानी में होनी चाहिए।

अपने देश में मेडिकल की पढ़ाई का खर्च कई निजी संस्थानों में करोड़ों रुपये में पहुंच गया है। ऐसे में, सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई के लिए जद्दोजहद तेज होती जा रही है। ध्यान रहे, मेडिकल प्रवेश परीक्षा 5 मई को 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी और लगभग 24 लाख विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया था। सबसे बड़ा शक तो यही है कि परिणाम 14 जून को घोषित करने के बजाय 4 जून को घोषित किए गए, उस दिन देश में मतगणना चल रही थी। क्या सफेदपोश लोगों ने यह सोचा कि चुनावी नतीजों के हो-हल्ले में उनका अपराध छिप जाएगा? क्या इसमें बड़े कोचिंग संस्थानों की भूमिका है? क्या अब अदालती जंग के पीछे भी चंद कोचिंग संस्थानों की प्रतिद्वंद्विता काम कर रही है? नीट से जुड़े अनेक बड़े सवाल हवा में तैर रहे हैं और सारी उम्मीदें सर्वोच्च अदालत पर टिकी हैं।

नजरिया

कृत्रिम बुद्धिमता पर निर्भरता से कितनी बदलेगी पत्रकारिता

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नित नए रूप में सामने आ रही है। अब इसकी 'टेक्स्ट टु स्पीच' फीचर की बदौलत भारतीय न्यूजरूम में भी मशीन को इंसानी चेहरे में ढालकर खबरें पेश की जाने लगी हैं।

संजय द्विवेदी, पूर्व महानिदेशक, आईआईएमसी, दिल्ली

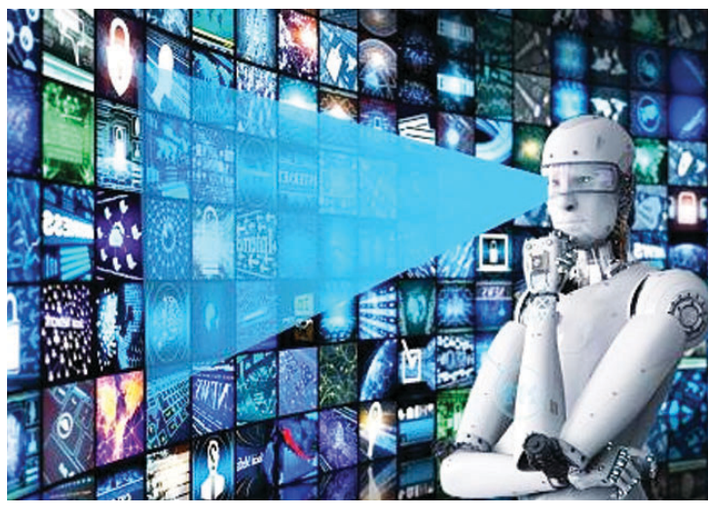

आज मीडिया कंपनियां अपने कंटेंट को अधिक बेहतर बनाने से लेकर बुलेटिन प्रसारित करने तक में एआई का सहारा लेने लगी हैं। इससे एक तरफ तो काम आसान और तेजी से पूरे होने लगे हैं, तो दूसरी तरफ कई सवाल भी उठ खड़े हुए हैं, जिनमें साख का संकट सबसे पहले है।

इंसान की जगह मशीन के इस्तेमाल का पहला खतरा इंसानों पर ही पड़ता है। 'न्यूजजीपीटी' दुनिया का पहला समाचार चैनल है, जिसका पूरा कंटेंट एआई द्वारा तैयार किया जा रहा है। चैनल के प्रमुख एलन लैवी ने इसे खबरों की दुनिया का गेमचेंजर कहा था, क्योंकि न इसमें कोई रिपोर्टर है और न ही यह किसी से प्रभावित है। यही बात मीडिया जगत में काम करने वालों के लिए बड़ा खतरा है। जैसे-जैसे मीडिया के क्षेत्र में एआई का प्रभुत्व बढ़ रहा है, वहां मौजूदा लोगों की नौकरियों पर तकनीक का कब्जा होने की आशंका बढ़ रही है। लेखन, संपादन, एंकरिंग, प्रस्तुति तक के सारे कामों में एआई का सहारा लिया जा रहा है।

बीबीसी द्वारा प्रकाशित एक समाचार के अनुसार, साल 2020 में माइक्रोसॉफ्ट ने बड़ी संख्या में एमएसएन वेबसाइट के लिए लेखों के चयन, क्यूरेटिंग, हेडलाइन तय करने और एडिटिंग करने वाले पत्रकारों की जगह स्वचालित सिस्टम को अपनाने की योजना बनाई। इस योजना के सफल होने के बाद लगभग 50 न्यूज प्रोड्यूसर्स को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी। ठीक इसी तरह, साल 2022 के अंत में अमेरिकी टेक्नोलॉजी न्यूज वेबसाइट सीएनईटी एआई तकनीक का इस्तेमाल करते हुए दर्जनों फीचर लेख तैयार किए और प्रकाशित किए। एसोसिएटेड प्रेस ने भी अपनी कहानियों के लिए एआई का इस्तेमाल किया। ये सारी बातें यही बताती हैं कि कैसे मीडिया पेशेवरों की नौकरियां एआई लील रही है।

भारत समेत कई देशों में न्यूज एंकर के तौर पर कंप्यूटर जनित मॉडल, यानी एआई एंकर समाचार पढ़ते नजर आने लगे हैं। बहुत हद तक इंसानी तौर पर दिखने वाले ये एंकर 24 घंटे और सातों दिन डेटा के आधार पर काम कर सकते हैं। भारत की पहली एआई न्यूज एंकर सना के लॉन्च के समय इसी तरह के शब्द कहे गए थे कि वह बिना थके लंबे समय तक काम कर सकती है। द गार्जियन के अनुसार, साल 2018 में चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ पहला एआई न्यूज एंकर दुनिया के सामने लेकर आई। इस एजेंसी के किउ हाओ पहले एआई एंकर हैं, जिसने डिजिटल वर्जन पर समाचार प्रस्तुत किया। पिछले वर्ष चीन ने एआई महिला न्यूज एंकर को भी लॉन्च किया। खबरों में कहा गया था कि इस एआई न्यूज एंकर ने हजारों न्यूज एंकर्स से स्किल सीखे हैं और वह 365 दिन 24 घंटे लगातार खबरें बता सकती है। चीन के अलावा कुवैत भी एआई न्यूज एंकर लॉन्च कर चुका है। रूस का स्वोए टीवी भी ऐसा कर चुका है।

यह स्थिति तब है, जब एआई अपने शुरुआती चरण में है, लिहाजा यह देखना दिलचस्प होगा कि यह पत्रकारिता को किस तरह से बदलेगी, क्योंकि आज क्लिकबेट (सनसनी पैदा करने वाली हेडलाइन लगाने) और प्राइम टाइम में चिल्लाने वाली पत्रकारिता का दौर है। ऐसे में, क्या रोबोट इंसानी रवैये के इतर विवेक के साथ पत्रकारिता करेंगे? दुनिया के प्रसिद्ध मीडिया स्तंभकार पामेल फिलिपोज ने कहा है कि एआई बहुस्तरीय समस्या पैदा कर सकती है और अधिक दुष्प्रचार फैला सकती है। कई पत्रकार और मीडिया पेशवर भी यही मानते हैं कि एल्गोरिद्म और ऑटोमेशन पर बढ़ती निर्भरता से पत्रकारिता की विश्वसनीयता कम हो सकती है।

स्पष्ट है, एआई न्यूज एंकर या पत्रकारिता में एआई की निर्भरता सूचना क्षेत्र के भविष्य के लिए दोधारी तलवार की तरह है। एक तरफ इससे मीडिया के नएपन और संचार के क्षेत्र की अपार संभावनों पर ध्यान दिया जा रहा है, वहीं इसे नैतिक और जिम्मेदारी तय करने के लिए नियमन और निरीक्षण की आवश्यकता भी है। फिलहाल, इसका बढ़ता प्रभाव सूचनाओं से मानवीय पक्ष को खत्म करने वाला ही ज्यादा नजर आ रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मध्यप्रदेश में खास रही स्त्री शक्ति की भूमिका

प्रो.संजय द्विवेदी

मध्यप्रदेश में सभी लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त कर भाजपा ने कठिन समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बड़ा सहारा दिया है। जिसमें मध्यप्रदेश की महिला मतदाताओं का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। विधानसभा चुनाव अभियान से ही प्रधानमंत्री मोदी मध्यप्रदेश में सबसे खास चेहरा बने हुए हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा ने मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा था और भारी जनसमर्थन प्राप्त किया। मोदी के मन में मध्यप्रदेश, मध्यप्रदेश के मन में मोदी यह मुख्य नारा था, जिसमें संगठन के परिश्रम ने प्राण फूंक दिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सत्ता में तीसरी बार वापसी एक असाधारण घटना है। भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में अपनी लोकप्रियता और प्रासंगिकता बनाए रखना इतना आसान नहीं होता। भाजपा जैसे दल के लिए जिसने 8 वें दशक में सिर्फ दो लोकसभा सीटों के साथ अपनी यात्रा प्रारंभ की हो, यह चमत्कार ही है। अनपेक्षित परिणामों के बाद भी केंद्र में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी और एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन है। मध्यप्रदेश वैसे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के अद्भुत समन्वय से चलने वाला राज्य रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे दिग्गजों की जुगलबंदी ने जो इतिहास रचा है, उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। इसके अलावा नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, राजेन्द्र शुक्ल, फग्गन सिंह कुलस्ते, वीरेंद्र कुमार जैसे अनेक नेता भाजपा के सामाजिक और भौगोलिक विस्तार को स्थापित करते हैं।

संघ की प्रयोगभूमि होने के कारण मध्यप्रदेश पर पूरे देश की निगाह थी। मध्यप्रदेश में यह वैचारिक यात्रा हिंदुत्व,भारतबोध की यात्रा तो है ही समाज के सभी वर्गों की हिस्सेदारी ने इसे सफल बनाया है। स्त्री शक्ति इसमें सबसे प्रमुख है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जहां स्त्री शक्ति को भाजपा के साथ गोलबंद

करने में अहम भूमिका निभाई, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता में आते ही सामान्य जन के जीवन स्तर को उठाने के प्रयास किए। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीब परिवारों को संबल दिया, जिस बदलाव को स्त्री शक्ति ने महसूस किया। स्त्री भारतीय परिवारों की धुरी है। भारतीय राजनीति में स्त्री को इस तरह से केंद्र में रखकर कभी विचार नहीं किया गया। यह बात रेखांकित करना चाहिए कि आखिर देश की राजनीति में स्त्री के सवाल हाशिए पर क्यों रहे हैं? स्त्री आखिर चाहती क्या है? वह चाहती है सुखद, सुरक्षित, आनंदमय जीवन और अपने बच्चों का सुनहरा भविष्य। एक अदद छत जिसमें वह अपने परिवार के साथ चैन से रह सके।

नरेंद्र मोदी ने सामान्य भारतीय स्त्री के इस मन और जीवन की समस्याओं को संबोधित किया। स्त्री को सुरक्षित परिवेश और बेटियों को आसमान छूने की प्रेरणा दी। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ सिर्फ नारा नहीं एक सामाजिक संकल्प बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत सामान्य परिस्थितियों से आगे बढ़े हैं। वे परिवारों को चलाने वाली स्त्री के दर्द, उसकी जरूरतों को समझने वाले राजनेता हैं। उज्जवला गैस जैसे योजना उनके संवेदनशील मन की गवाही देती है। लकड़ियां लेटर आने,गोबर के उपलों से खाना बनाती स्त्री, उसके कष्ट सब नहीं समझ सकते। धुएं के नाते उसको होने वाले स्वास्थ्यगत नुकसान को भी सब नहीं समझ सकते। बात छोटी है,पर संवेदना बहुत बड़ी। इसी तरह शौचालय न होने के कारण स्त्री के कष्ट से हर घर शौचालय का विचार एक क्रांतिकारी कदम था। यह मुद्दा महिला सुरक्षा ,स्वास्थ्य और स्वच्छता सबसे जुड़ा हुआ मुद्दा है। मध्यप्रदेश ने केंद्र की सभी योजनाओं का श्रेष्ठ क्रियान्वयन किया। इस पहल ने देश और प्रदेश में परिवर्तन का सूत्रपात किया। प्रधानमंत्री आवास योजना इसी दिशा में उठाया गया एक ऐसा कदम था, जिसने परिवार को छत दी। आप लाख कहें महिला के लिए उसके घर से बड़ी कोई चीज नहीं होती। यह बहुत भावनात्मक विषय है, जो सामान्य मन से समझ में नहीं आएगा। कोरोना संकट में देश और उसके नागरिकों की अभिभावक की तरह चिंता करके प्रधानमंत्री ने लोगों के मन में जगह बना ली। वैक्सीन से लेकर 80 करोड़ परिवारों को राशन ने स्त्रियों के मन में सरकार के प्रति भरोसा जगाया।

स्त्री कल्याण की योजनाएं मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान को मामा के रूप में स्थापित कर गयीं। शिवराज जी मध्यप्रदेश में इसी लोकप्रियता के कारण अपनी सीट आठ लाख से ज्यादा मतों से जीते और मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी सफलता मिली। भाजपा मध्यप्रदेश की सरकार सामाजिक कल्याण की योजनाएं और केंद्र की योजनाओं ने कमाल किया। भरोसा पैदा किया। मोदी ने 2014 में सत्ता में आते ही अपनी सरकार को गरीबों के कल्याण के समर्पित होने की घोषणा की थी। यह घोषणा बाद के 10 सालों में संकल्प सरीखी नजर आई। भरोसा जगाते हुए मोदी देश के दिल में उतरते चले गए। मध्यप्रदेश में नरेंद्र मोदी के प्रति गहरा प्रेम और सम्मान तब भी प्रकट हुआ, जब विधानसभा चुनावों में भाजपा ने अभूतपूर्व जनादेश प्राप्त किया। इसके लिए पीएम ने सार्वजनिक मंच पर प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा की पीठ भी ठोंकी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने साफ कहा कि महिला कल्याण की कोई योजना बंद नहीं होगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी लालड़ी बहना योजना को चुनावों में प्रभावित करने वाला बताते हैं।

संसद और विधानसभाओं के लिए महिला आरक्षण बिल पास करवाना भी केंद्र सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि रही। लंबे समय से लंबित यह बिल अनेक सरकारों के प्रयास के बाद भी पास नहीं हो सका था। मोदी सरकार की स्त्री मुद्दों पर प्रतिबद्धता भी इससे जाहिर हुई। साथ ही इस संसदीय चुनाव में देश में भाजपा ने 69 महिलाओं को टिकट दिया। कांग्रेस ने 41 महिला प्रत्याशी उतारे।? संकेत और संदर्भ राजनीति को प्रभावित करते हैं। ऐसे में भाजपा की ओर स्त्री शक्ति का आकर्षण सहज ही है। आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ग की महिलाओं में भाजपा की लोकप्रियता किसी अन्य दल से ज्यादा है। मोदी वैसे भी सामान्य रूप से सभी वर्गों के आकर्षण के केंद्र हैं। महिलाओं और युवाओं में उनकी लोकप्रियता बहुत है। सही मायनों में भारतीय लोकतंत्र में बढ़ती महिलाओं की हिस्सेदारी और उनका वोट प्रतिशत बड़े बदलाव का सूचक है। राष्ट्रपति के रूप में श्रीमती द्रोपदी मुर्मू के चुनाव ने राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं को प्रेरित किया। नरेंद्र मोदी ने आकांक्षावान भारत की उम्मीदों को पंख लगा दिए हैं। अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य को लेकर महिलाएं सदैव चिंतित रहती हैं। अपने विकास केंद्रित विजन से मोदी सरकार भविष्य के आत्मविश्वासी भारत की नींव रख चुकी है। भरोसा यहीं से आता है। महिलाएं जानती हैं यह मोदी की गारंटी है, पूरी होनी चाहिए। स्त्री शक्ति के इस सहयोग और आशीर्वाद के बाद मोदी सरकार की जिम्मेदारियां बहुत बढ़ गई हैं, देखना है केंद्र सरकार आने वाले समय में इन प्रश्नों को किस तरह संबोधित करती है। फिलहाल तो देश की जनता और स्त्री शक्ति के जनादेश से सत्ता में आई एनडीए सरकार को शुभकामनाएं ही दी जा सकती हैं।

मध्यप्रदेश ने साबित किया है कि सत्ता और संगठन में समन्वय से ही अच्छे परिणाम पाए जा सकते हैं। महिलाओं को अपने साथ गोलबंद कर भाजपा ने अपना आधार मध्यप्रदेश में बहुत मजबूत कर लिया है। महिला आरक्षण बिल के बाद निश्चित ही आने वाले समय में राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए महिलाओं को आगे आना ही होगा। ऐसे में मध्यप्रदेश में होने वाले संगठनात्मक प्रयोग अन्य राज्यों के लिए भी सबक होंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं)

नुकसान की भरपाई उपद्रवियों से होनी चाहिए

सुनील दास

कई बार ऐसा होता है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ उग्र हो जाती है और सरकार संपत्ति को नुकसान पहुंचाती है, निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाती है । इसे रोकने की जरूरत है। इसके लिए दो ही तरीके हैं या तो सरकार ऐसी व्यवस्था करें कि प्रदर्शन करनेवाले सरकारी या निजी संपति को नुकसान न पहुंचा सकें। सरकार ऐसा नहीं कर पाती है तो वह एक व्यवस्था यह कर सकती है कि जो लोग सरकारी व निजी संपत्ति को नुकसान पहुचाने वाले साबित हो उनसे नुकसान की भरपाई की जाए। ऐसा किया नहीं जाता है इसलिए प्रदर्शन करनेवाले सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते रहते हैं। छत्तीसगढ़ में अब तक किसी सरकार ने ऐसा किया नहीं है इसलिए प्रदर्शनकारी बेखौफहोकर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते रहते हैं।

बलौदाबाजार में प्रदर्शनकारियों ने सरकारी संपत्ति को आग लगाकर, तोड़फोड़ कर बहुत नुकसान पहुचाया है। इस मामले में साय सरकार के तीन मंत्रियों दायलदास बघेल, टंकराम वर्मा व श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि बलौदाबाजार में लोक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले लोगों से नुकसान की वसूली की जाएगी। बलौदाबाजार मामले की जांच शुरू हो गई है,सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बड़ी संख्या में लोग गिरफ्तार किए जा रह है, इसी से यह भी पता चलेगा कि किन लोगो ने लोक संपत्ति को कितना नुकसान पहुंचाया है। तो ऐसे लोगों केो नुकसान की भरपोई की जा सकेगी. राज्य मे ऐसा होता है तो यह बहुत ही अच्छा होगा क्योंकि यूपी में सरकार ने ऐसा किया है तो वहां सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से अब लोग डरते हैं। छत्तीसगढ़ में एक बार नुकसान की भरपाई उपद्रवियों से हो गई तो फिर उपद्रवी अगली बार से उपद्रव के दौरान सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से डरेगे।

जांच से यह भी साप हो गया है कि बलौदाबाजार में जो कुछ हुआ वह अचानक नहीं हुआ है, यह योजना बनाकर किया गया है। आग लगाने के लिए पेट्रोल बंम का इस्तेमाल हुआ है तो साफ है कि कुछ लोग बलौदाबाजार मं आगजनी व तोड़फोड़ की तैयारी करके आए थे। यह लोग कौन है, इनकी पहचान हो रही है। कांग्रेस को पता चला है कि गिरफ्तार किए गए लोगों में कांग्रेस के जुड़े लोग भी शामिल हैं, उसने साय सरकार को जवाब देने के लिए जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है।

राज्य में कोई बड़ी घटना हो गई है और उसकी जांच सरकारी एजेंसी कर रही है तो कांग्रेस को उस मामले की जांच से कोई रोक नहीं सकता।एक तरफ सरकार मामले की जांच कर मामले को अदालत में पेश करेंगी। तब तक सरकार की तरफ से तो यही कहा जाएगा कि बलौदाबाजार में जो कुछ हुआ, उसके पीछे कांग्रेस का हाथ है। जवाब में कहने को कांग्रेस को पास भी तो कुछ होना चाहिए। यही वजह है कि कांग्रेस नेताओं की एक टीम बलौदाबाजार जाएगी और जैत खाम में तोड़फोड़ सहित बलौदाबाजार में हुए उपद्रव की जांच करेगी। वह भी अपनी तरफ से सच को सामने लाने का प्रयास करेगी।

विपक्ष का काम है सरकार की किसी बात पर भरोसा न करना। विपक्ष का काम है सरकार को हर मामले में नाकारा साबित करना। विपक्ष का काम है सरकार से हर मामले में सवाल पूछना। उसे सवालों के कठघरे में खड़ा करना। यही तो राज्य में विपक्ष कर रहा है। सरकार अपना काम कर रही है, विपक्ष अपना काम कर रहा है। आरोप के जवाब में आरोप लगाना विपक्ष का काम है तो यही काम करन की तैयारी विपक्ष जांच समितियां बनाकर कर रहा है।

(ये लेखक के विचार हैं)

जम्मू में आतंकी चुनौती कितनी गंभीर

सुशांत सरीन, सीनियर फेलो, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन

ताजा आतंकी हमले घाटी नहीं, बल्कि जम्मू के उन इलाकों में हुए हैं, जहां कुछ वर्ष पहले तक माना जाता था कि आतंकवाद का करीब-करीब सफाया कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर में गुजरे तीन दिनों में तीन आतंकी घटनाओं के गहरे निहितार्थ हैं। यह स्थिति तब दिख रही है, जब हालिया आम चुनाव में यहां के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। जम्मू-कश्मीर के पांचों संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में करीब 58 फीसदी मत पड़े हैं, जो लोकतंत्र में स्थानीय लोगों के बढ़ते विश्वास का संकेत माना गया था। जाहिर है, सवाल यही है कि ऐसे हमले करके आतंकी अपनी बौखलाहट का प्रदर्शन कर रहे हैं या फिर उनकी यह कोई नई रणनीति है?

दरअसल, ताजा हमले कश्मीर घाटी में नहीं हुए हैं, बल्कि जम्मू के उन इलाकों में हुए हैं, जहां कुछ वर्ष पहले तक माना जाता था कि आतंकवाद का करीब-करीब सफाया कर दिया गया है। यहां बीते डेढ़-दो दशकों में कोई बड़ी आतंकी वारदात नहीं हुई थी, पर पिछले तीन-चार साल में 'एरिया ऑफ ऑपरेशन' नजर आने लगा था, यानी आतंकियों की मौजूदगी दिखने लगी थी। असल में, आतंकवाद के खिलाफ सैन्य कार्रवाई गुब्बारे सरीखा नतीजा देती है, यानी एक जगह जब आप उसका दमन करते हैं, तो दूसरी तरफसे उसका उभार होने लगता है। कश्मीर घाटी के अंदर भी आतंकियों ने पहले श्रीनगर, फिर उत्तरी कश्मीर और बाद में दक्षिणी हिस्से में अपना ठिकाना बना लिया था। मगर धीरे-धीरे सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके पर अपना दबदबा बना लिया, तो फिर जम्मू में हिंसक घटनाएं बढ़ने लगीं, खासतौर से राजौरी और पुंछ जैसे इलाकों में। लिहाजा, सुरक्षा बलों ने जम्मू में भी अपना सुरक्षा घेरा फिर से मजबूत करना शुरू कर दिया था, लेकिन यह एक लंबी प्रक्रिया है, इसलिए आतंकी अपनी मंशा में कुछ हद तक सफल हो गए।

ताजा हमलों में दहशतगर्द कहीं अधिक दक्ष दिख रहे हैं। घाटी में जब सुरक्षा बल असरंदाज हो गए थे, तो वहां होने वाली छिटपुट हिंसा अमूमन अकुशल आतंकी किया करते थे, लेकिन हाल के वर्षों में दक्ष आतंकियों द्वारा कार्रवाई किए जाने के मामले बढ़े हैं। उनके पास हथियार भी पहले से कहीं बेहतर हैं। यहां तक कि वे पहाड़ों व जंगलों का बखूबी इस्तेमाल जानते हैं। जाहिर है, यह प्रशिक्षण उनको पड़ोसी मुल्क में मिला होगा। लगता यही है कि पाकिस्तान के अंदर घुसने का कोई अनधिकृत रास्ता है, जिसका इस्तेमाल ये सुरक्षा बलों से बचने के लिए करते हैं। एक प्रवृत्ति और दिख रही है। किसी बड़े समूह में नहीं, बल्कि एक-दो की संख्या में आतंकी अपने मनसूबे को अंजाम दे रहे हैं। मुमकिन है, इसमें एक स्थानीय आतंकी हो और दूसरा पड़ोसी देश से प्रशिक्षित दहशतगर्द। ऐसे में, अब इस इलाके में एक बड़ी सैन्य कार्रवाई की दरकार है, हालांकि यह कोई आसान काम भी नहीं।

सवाल यह भी है कि आखिर ये घटनाएं इस समय क्यों हो रही हैं? निस्संदेह, साल 2019 में जम्मू-कश्मीर को लेकर संविधान में किए गए सुधार के बाद यहां की स्थिति काफी बेहतर हुई है, लेकिन कुछ समस्याएं अभी भी कायम हैं। निस्संदेह, यहां आतंकवाद से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों पर लगाम लगाई गई है, प्रशासन में मौजूद अलगाववादी विचारधारा के लोगों के खिलाफ कड़े कदम उठाए गए हैं और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों को प्रतिबंधित किया गया है, पर विभाजनकारी सोच अब भी कुछ हद तक समाज में बनी हुई है। यह मानसिकता इसलिए खत्म नहीं हो सकी है, क्योंकि जरूरी राजनीतिक विकल्प देने में हम नाकाम रहे हैं। इस गलती को जल्द सुधारना उचित होगा।

यहां आम चुनाव में लोगों ने जमकर भागीदारी निभाई है और मुख्यधारा की पार्टियों पर भरोसा किया है। घाटी की दो सीटें नेशनल कॉन्फ्रेंस, तो जम्मू की दोनों सीटें भाजपा की झोली में गई हैं। मगर बारामूला में अब्दुल राशिद शेख बतौर निर्दलीय उमर अब्दुल्ला जैसे नेता को हराने में सफल हो गए। आतंकियों को धन मुहैया कराने के आरोप में जेल में बंद राशिद की इस जीत से मुमकिन है कि दहशतगर्दों को प्रोत्साहन मिला हो। आतंकी घटनाएं बढ़ाकर वे अपने इरादे जाहिर कर रहे होंगे, क्योंकि उनकी नजर में यह जीत समाज के एक तबके में उनकी स्वीकार्यता का प्रतीक हो सकती है। वैसे, इस पूरे प्रकरण को पाकिस्तान से भी जोड़कर देखा जा सकता है, क्योंकि उसकी बदहाल माली हालत जगजाहिर है, इसलिए वह नई दिल्ली को यह संदेश देना चाह रहा होगा कि कश्मीर में अब भी उसका परोक्ष दखल कायम है।

बहरहाल, आतंकियों ने ऐसे समय में मोर्चा खोला है, जब भारत में चुनाव खत्म हुए हैं और सहयोगी दलों पर निर्भर सरकार सत्ता में है। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि ऐसा करके न सिफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी पारी को चुनौती दी गई है, बल्कि इस संभावना को भी खत्म करने की कोशिश की गई है कि आम चुनाव निपटने के बाद भारत और पाकिस्तान बातचीत की मेज पर बैठ सकते हैं।

वैसे, अगले तीन-चार महीनों में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसके बाद इसे राज्य का दर्जा दिया जा सकता है। ऐसे में, कई तरह की चुनौतियां हमारे सामने हैं। सबसे पहले तो वहां शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराना। आशंका यह भी है कि राजनीतिक विकल्पहीनता की स्थिति में यदि पुराने राजनेता सत्ता में लौटते हैं, तो उनका रवैया कैसा होगा? क्या वे फिर एक हाथ अलगाववादियों के कंधे पर रखेंगे और दूसरे हाथ से उनको हल्की थपकी देंगे? कौन इसकी गारंटी लेगा कि जम्मू-कश्मीर के हालात पूर्ववत नहीं हो जाएंगे? चूंकि अब तक यहां केंद्र का नियंत्रण रहा है, जबकि पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद राज्य सरकार के पास तमाम अधिकार आ जाएंगे, लिहाजा अलगाववादी सोच से कैसे पार पाया जा सकेगा? लोकसभा चुनाव की तरह अगर अलगाववादी राज्य चुनाव में खड़े होते हैं व ठीक-ठाक संख्या में विधानसभा में पहुंच जाते हैं और सरकार के गठन में महत्वपूर्ण किरदार निभाने लगते हैं, तब इस प्रदेश की राजनीतिक बयार क्या रुख लेगी?

आशंकाएं कई हैं, लेकिन उम्मीद यही की जा सकती है कि यहां के सियासी और सामाजिक हालात काबू में रहेंगे। हां, राजनीतिक विकल्प अगर जल्दी तैयार नहीं किया गया, तो तरक्की की ओर कदम बढ़ाता जम्मू-कश्मीर फिर से पिछड़ सकता है। लोकसभा चुनाव में राशिद शेख की जीत चेतावनी जैसी है। उन्होंने उमर अब्दुल्ला को दो लाख से भी अधिक मतों से तब हराया है, जब यहां के कई इलाकों में नेशनल कॉन्फ्रेंस का खासा प्रभाव माना जाता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

- सुपेबेड़ा में किडनी की समस्या का होगा स्थायी निदान, कारण जानने होगी रिसर्च
- स्वास्थ्य अमले का युक्तियुक्तकरण करने के निर्देश, विशेषज्ञ डाक्टरों की होगी नियुक्ति, बनेगी कार्ययोजना
- संस्थागत प्रसव शतप्रतिशत करने मिशन मोड पर होगा काम
- 108 का रिस्पांस टाइम होगा बेहतर, कमियां दूर करने मुख्यमंत्री ने दिये निर्देश
- नियद नेल्लानार योजना के हितग्राहियों के लिए आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाने दिये निर्देश

सुपेबेड़ा में किडनी की समस्या का होगा स्थायी निदान कारण जानने होगी रिसर्चः विष्णु देव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के सुपेबेड़ा में लंबे समय से किडनी पीड़ित मरीज आ रहे हैं। इनके इलाज की सुविधा के लिए गरियाबंद में किडनी यूनिट आरंभ की गई है लेकिन इस समस्या के स्थाई निदान पर भी काम करने की जरूरत है। इसके लिए बीमारियों के कारण जानने संबंधी जो भी रिसर्च किया जा सकता है वह किया जाए। इसके साथ ही मरीजों के पर्याप्त इलाज की सुविधा भी हो ताकि सुपेबेड़ा के लोगों को भविष्य में किडनी संबंधी समस्याओं से पूरी तरह मुक्त किया जा सके। साथ ही पंखाजूर जैसे क्षेत्रों में जहां अधिक मरीज आ रहे हैं, वहां डायलिसिस सेंटर की स्थापना की जाए।

यह बात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में कही। 4 घंटे से अधिक समय तक चली इस समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग की आगामी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की जानकारी ली एवं उनके बेहतर क्रियान्वयन के लिए निर्देश भी दिए। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संभाग मुख्यालय में कम से कम 2 एडवांस लाइफ सपोर्ट सिस्टम वाली एंबुलेंस की व्यवस्था होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थागत प्रसव को शत प्रतिशत करना सबसे अहम कार्य है। इसके लिए नियमित अंतराल पर एएनसी जांच करना सुनिश्चित करें। शिशु मृत्यु दर को रोकने के लिए अस्पताल में न्यू बार्न केयर यूनिटों को बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत अधिकतम संख्या में लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में जो खामियां हैं उन्हें दूर करें। नियद नेल्लानार योजना के सभी हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बन जाए, यह सुनिश्चित करें। इसके लिए आधार कार्ड बनाने इन क्षेत्रों में नियमित कैंप लगाया जाए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री जन मन योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड से लाभ दिया जा रहा है। 6 महीने में 1373 हितग्राहियों ने एक करोड़ 38 लाख रुपए के क्लेम किए हैं।

मुख्यमंत्री ने जन औषधि केंद्रों पर भी विशेष फोकस करने कहा। उन्होंने कहा कि जन औषधि केंद्र ऐसी जगह पर स्थापित किए जाएं जहां अधिकाधिक संख्या में लोग दवा लेने सुविधा से पहुंच सकें। मुख्यमंत्री ने टीबी, कुष्ठ और मलेरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि मलेरिया उन्मूलन के अभियान में काफी सफलता मिली है लेकिन बस्तर को मलेरिया मुक्त करने इसे और बेहतर करने की जरूरत है।

सिकल सेल के संबंध में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय स्तर के रिसर्च सेंटर का प्रस्ताव केंद्र को भेजने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिकल सेल के मरीजों की नियमित रूप से काउंसलिंग हो और इनका बेहतर उपचार होता रहे।मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी अस्पतालों में जहां उपकरण तो है लेकिन आपरेटर नहीं है वहां ऑपरेटर की व्यवस्था की जाए। कीमोथेरेपी की सुविधा का विस्तार करें। डायलिसिस की सुविधा का लाभ ब्लॉक मुख्यालयों में भी आरंभ करें। मुख्यमंत्री ने मानसिक मरीजों के लिए भी नए अस्पताल आरंभ करने अधिकारियों को निर्देशित किया।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बैठक में अधिकारियों को कहा कि छत्तीसगढ़ लिंगानुपात में बेहतर स्थिति में है। हमें इसे और अच्छा करने के लिए लगातार मॉनिटरिंग करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चिरायु योजना शासन की बहुत अच्छी योजना है इसका ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार किया जाए ताकि इसका लाभ अधिकतर लोग उठा सकें। श्री जायसवाल ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि शहरी क्षेत्रों के मोबाइल मेडिकल यूनिट एवं धन्वंतरी जैसी योजनाओं को स्वास्थ्य विभाग में शामिल कर दिया जाए, ताकि बेहतर समन्वय से इन योजनाओं का उत्कृष्ट क्रियान्वयन किया जा सके। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, पी. दयानंद, डॉ. बसव राजू एस, स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव चंदन कुमार, संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ऋ तुराज रघुवंशी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक जगदीश सोनकर, खाद्य एवं औषधि विभाग के नियंत्रक कुलदीप शर्मा, सीजीएमएससी की प्रबंध संचालक श्रीमती पद्मिनी भोई साहू, आयुष की प्रबंध संचालक सुश्री इफ्फत आरा,चिकित्सा शिक्षा के संचालक डॉक्टर यू एस पैकरा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

पिछले 6 महीने में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा काम हुआ

मुख्यमंत्री ने बैठक में प्रदेश में स्वास्थ्य संबंधी अधोसंरचना एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 6 महीने में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा काम हुआ है। पिछली सरकार में जो काम अधूरे रह गए थे उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी मानसून को देखते हुए मौसमी बीमारियों की आशंका से निपटने के लिए तैयारी करने के निर्देश दिए। एंटी वेनम आदि की उपलब्धता भी रखने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे में युक्तियुक्तकरण की जरूरत है। बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में जहां पर स्वास्थ्य अमले की कमी है वहां पर पर्याप्त स्वास्थ्य अमले की पदस्थापना की जाए। विशेषज्ञ डाक्टरों की पूर्ति के संबंध में मुख्यमंत्री ने विशेष तौर पर निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी पदस्थापना के समय विशेष रूप से यह ध्यान दिया जाए कि कहीं पर गाइनिकोलॉजिस्ट की पदस्थापना की जाती है तो वहां पर एनेस्थीसिया के चिकित्सक भी हो ताकि वहां पर जरूरत पड़ने पर आसानी से सीजेरियन डिलीवरी हो सके। मुख्यमंत्री ने रिस्पांस टाइम के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 108, 102 और शव वाहन जैसी गाड़ियां अच्छी स्थिति में रहे। 108 जैसी गाड़ियों की स्क्रीन में ड्राइवर को पता चल जाए कि उसे मरीज को कौन से निकटतम अस्पताल में ले जाना है। सबसे निकट के सरकारी अस्पताल के डॉक्टर को भी मैसेज के माध्यम से अलर्ट कर दिया जाए ताकि अस्पताल में इमरजेंसी रिस्पांस की तैयारी की जा सके।

रेल नेटवर्क से जुड़ेगा मुंगेली जिलाः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि आने वाले समय में मुंगेली जिला रेल नेटवर्क में शामिल हो जाएगा, इससे मुंगेली जिले में रेल की सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि कटघोरा–डोंगरगढ़ विशेष रेल परियोजना के लिए राज्य शासन द्वारा 300 करोड़ रूपए की राशि की स्वीकृति दी जा चुकी है। शीघ्र ही भू–अर्जन की कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी।

इस परियोजना अंतर्गत मुंगेली जिले में 38.02 किलोमीटर रेल लाईन गुजरेगी, जिससे इस क्षेत्र के लोग भी आने वाले समय में रेल सेवा से लाभान्वित होंगे। श्री साय आज मुंगेली जिले के ग्राम फरहदा में भक्त माता कर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर ग्राम फरहदा में साहू समाज के सामुदायिक भवन के लिए 25 लाख रुपए, आदिवासी एवं सतनामी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 6-6 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कार्यक्रम में लगभग 25 करोड़ से अधिक की राशि के 19 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। साथ ही उन्होंने ग्राम फरहदा में शासकीय हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल के रूप में उन्नयन और ग्राम भालापुर से अचानकपुर तक और हरियरपुर से टेढ़ाधौंरा तक सड़क नवीनीकरण कार्य के लिए भी घोषणा की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने भक्त माता कर्मा प्राण-प्रतिष्ठा के लिए साहू समाज एवं उपस्थित सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा की ग्राम फरहदा में भक्त माता कर्मा मंदिर का निर्माण बिना किसी शासकीय सहयोग के सभी ग्रामवासियों ने मिलकर करवाया है। यह ग्रामवासियों के सामूहिक एकता को दर्शाता है। उन्होंने बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र से तोखन साहू को सांसद के रूप में जिताने के लिए जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्रीमंडल में सांसद तोखन साहू को आवास एवं शहरी मामलों के केन्द्रीय राज्यमंत्री बनाया गया है, जो पूरे प्रदेश एवं इस क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा की हमारी सरकार विकास की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश के किसानों को हम 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान की कीमत दे रहे है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर-मुंगेली रोड से ग्राम फरहदा मार्ग जिसकी कुल लंबाई साढ़े पांच किलोमीटर है, बजट में इसे स्वीकृत किया गया है, जल्द ही इसका कार्य प्रारंभ किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि हमारी सरकार विकास के लिए समर्पित है। प्रदेश सरकार पानी, बिजली, आवास सहित विकास के सभी आयामों पर बेहतर तरीके से कार्य कर रही है। कार्यक्रम में वाणिज्य, उद्योग, श्रम एवं जिले के प्रभारी मंत्री लखनलाल देवागंन ने धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, विधायक रायपुर मोतीलाल साहू, पूर्व सांसद लखनलाल साहू, पूर्व विधायक विक्रम मोहले, कृष्णमूर्ति बांधी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शीलू साहू, अम्बालिका साहू, श्रीमती दुर्गा उमाशंकर साहू अन्य जनप्रतिनिधिगण, प्रदेश, जिला एवं तहसील साहू समाज के पदाधिकारीगण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में सामाजिक बन्धु मौजूद रहे।

लोकार्पण और शिलान्यासः मुख्यमंत्री साय ने जिन कार्यों का लोकार्पण किया उनमें ग्राम पा. खम्हरिया में 1.89 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित 33/11 व्ही सब स्टेशन, ग्राम कंतेली में 1.87 करोड़ रूपए की राशि से निर्मित 33/11 के. व्ही सब स्टेशन और आगर व्यपवर्तन योजना के तहत 19 करोड़ 12 लाख 57 हजार रूपए की लागत से निर्मित 15 माईनर नहर में सी.सी. लाईनिंग व स्ट्रक्चरों के जीर्णोद्धार के कार्य शामिल हैं। इसी तरह 01.37 करोड़ रूपए की लागत से नवागढ़ चौक से खैरवार बायपास रोड में 06 किलोमीटर तक एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य, 34.35 लाख रूपए की लागत से देवरी से खेढ़ा कालोनी में एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य, शासकीय हाईस्कूल फुलवारी एफ, जोता, भटगांव तथा हायर सेकेण्डरी स्कूल खुड़िया, बैगाकापा, सुकली, देवरहट, मनोहरपुर, नगर पालिका मुंगेली, पदमपुर, जरहागांव, सिलतरा, लौदा और बैतलपुर में प्रत्येक में 07 लाख 63 हजार रूपए की राशि से कक्ष निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

प्रदेश की नई औद्योगिक नीति का पहला ड्राफ्ट 31 जुलाई तक होगा तैयार

कई प्रदेशों की उद्योग नीति पर की जा रही स्टडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने प्रदेश की नवीन औद्योगिक नीति 2024–29 के पहले ड्राफ्ट को 31 जुलाई तक जारी करने के निर्देश विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। नई औद्योगिक नीति के लिए उद्योग विभाग द्वारा लगातार अलग–अलग उद्योग संगठनों से विचार–विमर्श कर उनके अमूल्य सुझाव लिए जा रहे हैं, अब तक प्रदेश के 20 अलग–अलग उद्योग संघों से सुझाव लिए जा चुके हैं।

इसके अतिरिक्त गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिसा, मध्यप्रदेश समेत अन्य प्रदेशों के उद्योग नीति पर स्टडी भी विभाग द्वारा की जा रही है। राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों और उद्योगपतियों को छत्तीसगढ़ में निवेश प्रोत्साहन बढ़ाने की दिशा में जोर दिया जा रहा है।

उद्योग मंत्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं की नई औद्योगिक नीति में हर सेक्टर पर फोकस होना चाहिए। नए सेक्टर जैसे फार्मास्युटिकल, एग्रीकल्चर, टेक्सटाइल समेत अन्य सेक्टरों के उद्योग ज्यादा से ज्यादा लगें, ताकि रोजगार भी अधिक लोगों को मिले और प्रदेश में निवेश भी बढ़े। इन सेक्टरों के उद्योग लगने से प्रदूषण के बढ़ने की संभावना भी कम रहेगी। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने बताया की नई औद्योगिक नीति 2024–29 के लिए मेल आईडी पर या फिर सीधे विभाग में अपने अमूल्य सुझाव दे सकते हैं।

नई नीति के लिए उद्योग मंत्री देवांगन स्वयं अन्य राज्यों का दौरा कर वहां के उद्योग प्रतिनिधियों से मुलाकात कर सुझाव लेंगे। ताकि उन राज्यों के उद्योग नीति के अच्छे और प्रोत्साहन परक अनुदान मांगों पर अध्ययन परीक्षण किया जा सके। अभी हाल ही में मंत्री देवांगन ने नई दिल्ली में आईसीसी के प्रतिनिधियों से नई नीति हेतु विचार विमर्श किया था। प्रदेश की नई औद्योगिक नीति के लिए सभी विभागों और मंत्री गणों से विमर्श के पश्चात ही आगे 5 वर्षों के लिए नीति बनाई जाएगी। ताकि नीति में सभी विभागों का समावेश हो और हर सेक्टर में उद्योग लग सके।

भू-जल में समस्या वाले गांवों में पेयजल के लिए मल्टी-विलेज योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में भू–जल में समस्या वाले गांवों में पेयजल आपूर्ति के लिए जल जीवन मिशन के तहत मल्टी–विलेज योजना शुरू की जा रही है। खारे पानी, भू–जल में भारी तत्वों की मौजूदगी या जल स्तर के ज्यादा नीचे चले जाने की समस्या से जूझ रहे गांवों में इन योजनाओं के माध्यम से नदी का मीठा पानी पहुंचाया जाएगा।

कुल 4527 करोड़ रुपए की लागत से राज्य के 18 जिलों में 71 मल्टी-विलेज योजनाओं का काम प्रारंभ हो चुका है। इन योजनाओं के माध्यम से 3234 गांवों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। इन गांवों के दस लाख से अधिक घरों में पाइपलाइन के जरिए स्वच्छ व सुरक्षित पेयजल पहुंचाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव ने सभी मल्टी-विलेज योजनाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए सभी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, जिससे लोगों तक यथाशीघ्र साफ पेयजल पहुंच सके।

राज्य के अनेक जिलों में नलकूपों के गिरते हुए जल स्तर के कारण गर्मी के दिनों में पेयजल की समस्या आती है। ऐसे गांवों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिंगल-विलेज योजनाओं के लिए सफल पेयजल स्त्रोतों की कमी को देखते हुए सतही स्त्रोत पर आधारित मल्टी-विलेज योजनाएं बनाई गई हैं। राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन के माध्यम से प्रदेश में 71 मल्टी-विलेज योजनाओं की स्वीकृति दी गई है।

जल जीवन मिशन के तहत इन मल्टी-विलेज योजनाओं में स्थानीय नदी पर निर्मित एनीकट, बांध एवं नहर के पानी का उपयोग किया जाएगा। जल संग्रहण के लिए इन्टेकवेल तथा जल शुद्धिकरण के लिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा है।

योजना के अंतर्गत उच्च स्तरीय एम.बी.आर. भी बनाए जा रहे हैं। इन्टेकवेल से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक डी.आई. पाइप रॉ वाटर पम्पिग मेन तथा ट्रीटमेंट प्लांट से एम.बी.आर. तक क्लियर वाटर पम्पिग मेन बिछाए जा रहे हैं। एम.बी.आर. के माध्यम से योजना से लाभान्वित होने वाले गांवों में निर्मित उच्च स्तरीय टंकियों तक पेयजल पहुंचाने के लिए डीआई/ओ-पी.वी.सी. पाइपलाइन भी बिछाए जा रहे हैं। इन योजनाओं का काम पूर्ण करने के लिए ठेकेदारों को 12 महीने का समय दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव के निर्देश पर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और योजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता तथा जल जीवन मिशन के वरिष्ठ अभियंताओं द्वारा कार्यस्थलों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

18 जिलों के 3234 गांवों को मिलेगा साफ पेयजल

जल जीवन मिशन के अंतर्गत मल्टी-विलेज योजनाओं के माध्यम से 18 जिलों के 3234 गांवों में जलापूर्ति की जाएगी। इनमें रायगढ़ जिले के 396, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के 16, कोरबा के 245, जांजगीर-चांपा के 32, राजनांदगांव के 393, महासमुंद के 48, कबीरधाम के 31, गरियाबंद के नौ, बिलासपुर के 93, सूरजपुर के 413, मुंगेली के 240, दुर्ग के 201, बलौदाबाजार-भाटापारा के 192, बेमेतरा के 219, कोरिया के 292, बालोद के 148, सरगुजा के 190 और धमतरी जिले के 76 गांव शामिल हैं।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

सूखा एवं गीला कचरा मिक्स करके दिया, होटलों व डेयरी पर जुर्माना

रायपुर (ए.)। रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में स्वच्छता अभियान निरन्तर चलाया जा रहा है। कचरा एवं गंदगी फैलाने एवं दुकानों में डस्टबिन नहीं रखने वाले दुकानदारों को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देकर उनसे जुर्माना वसूला जा रहा है। उनसे दुकान में डस्टबिन रखने एवं सूखा एवं गीला कचरा पृथक करके सफाई मित्र को सफाई वाहन में नियमित देकर राजधानी शहर रायपुर को स्वस्थ और स्वच्छ स्मार्ट सिटी बनाने सहभागिता दर्ज करवाने अपील निरन्तर प्रतिदिन की जा रही है।
इस क्रम में नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों के स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा बाजारों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत आज नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 2 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं के सहयोग से जोन 2 जोन कमिश्नर डॉक्टर आरके डोंगरे के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया के नेतृत्व में नगर निगम जोन नम्बर 2 के तहत बाजार क्षेत्र फाफाडीह एवं देवेन्द्र नगर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। 2 होटलों एवं एक डेयरी में सूखा एवं गीला कचरा मिक्स करके दिये जाने को पाकर सम्बंधित होटलों एवं डेयरी के संचालक को भविष्य में सूखा एवं गीला कचरा पृथक-पृथक करके देने की कड़ी समझाईश देकर सम्बंधित कान्हा डेयरी देवेन्द्र नगर, होटल महाराजा, होटल जलाराम फाफाडीह में प्रत्येक से 1000 रूपये कुल 3 दुकानदारों से 3000 रूपये का जुर्माना वसूलने की कार्यवाही की गयी। नगर पालिक निगम रायपुर के सभी 10 जोनों के जोन स्वास्थ्य अधिकारियों ने बाजार क्षेत्रों में दुकानदारों को डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखने एवं स्वच्छता बनाये रखकर दुकान का सूखा एवं गीला कचरा पृथक-पृथक डस्टबिन में रखकर सफाई मित्र को नियमित देकर राजधानी शहर को स्वच्छ स्मार्ट सिटी बनाने सहभागिता दर्ज करवाने अपील करके समझाईश सभी जोन कमिश्नरों के नेतृत्व में दी। अन्यथा की स्थिति में अभियान लगातार चलाकर दुकानों में गंदगी मिलने, डस्टबिन नहीं पाए जाने की स्थिति में सम्बंधित दुकानदारों पर जुर्माना करने की चेतावनी दी गयी।

10 एकड़ जमीन को किया कब्जा मुक्त

भाठागांव-कोटा में अवैध प्लॉटिंग पर चला निगम का बुलडोजर

रायपुर (ए.)। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार नगर निगम क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग के प्रकरणों पर लगातार कार्रवाई जारी है। गुरुवार को राजधानी के जोन 6 और जोन 8 में निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग पर रोक लगते हुए करीब 10 एकड़ जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। निगम ने तहसील कार्यालय से निजी भूमि के वास्तविक भूमि स्वामियों की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है।

बता दें कि जोन 6 के डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्रमांक 61 के भाठागांव भर्री खार क्षेत्र में लगभग 5 एकड़ निजी भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग की जा रही थी, जिसपर नगर पालिक निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़नदस्ता और नगर पालिक निगम जोन

क्रमांक 6 नगर निवेश विभाग ने मौके पर पहुंच कर रोक लगाई। जोन 6 के जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल ने बताया कि अज्ञात प्लाटिंगकर्ता द्वारा यहां लगभग 5 एकड़ निजी भूमि पर अवैध मुरुम रोड बनाई गई थी, जिसपर बुलडोजर चलाकर रोक लगाई गई है। वहीं मौके से लगभग 2 ट्रक मुरूम जब्त की गयी है।

कोटा में 3 एकड़ निजी भूमि पर अवैध प्लाटिंग पर लगाई रोक

जोन 6 की तरह जोन 8 में रामकृष्ण परमहंस वार्ड 20 में कोटा स्थित साईंनाथ कॉलोनी की लगभग 3 एकड़ निजी भूमि में अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। अवैध प्लाटिंगकर्ता ने प्लाट कटिंग करने के लिए मार्किंग कर रखी थी जिसे हटाया गया, डीपीसी और अवैध मुरुम रोड को काटकर आवागमन पर रोक लगाई गयी। नगर निगम जोन 8 के जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव ने बताया कि जोन 8 के रामकृष्ण परमहंस वार्ड नंबर 20 के तहत कोटा में साईंनाथ कॉलोनी फेस-2 क्षेत्र में भिन्न 3 स्थानों में लगभग 3 एकड़ निजी भूमि पर साथ ही पंडित जवाहर लाल नेहरू वार्ड नंबर 2 के क्षेत्र में कबीर नगर फेस ङ्क 4 में अविनाश आशियाना अपार्टमेंट परिसर के पीछे लगभग 5 एकड़ निजी भूमि पर की गई अवैध प्लाटिंग पर रोक लगायी गयी है।

बता दें कि नगर निगम जोन 6 और जोन 8 के नगर निवेश विभाग ने रायपुर तहसीलदार को पत्र लिखकर निजी भूमि के वास्तविक भूमि स्वामियों की जानकारी उपलब्ध करवाने कहा गया है। तहसील कार्यालय से जानकारी मिलते ही छत्तीसगढ़ शासन के अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सम्बंधित अवैध प्लाटिंगकर्ताओं के खिलाफ संबंधित पुलिस थाना में नियमानुसार प्रक्रिया के अंतर्गत कानूनी कार्यवाही करने नामजद एफ्आईआर दर्ज करवाई जाएगी।

प्रदेश में हरियाली को बढ़ाने विशेष अभियान

वन विभाग द्वारा चालू वर्ष में 4 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ में हरियाली को बढ़ाने एवं वन संवर्धन के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप तथा वन एवं जलवायु परितर्वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार वन विभाग द्वारा तैयारियां जोरों पर है। इसके तहत राज्य में वर्ष 2024 वर्षा ऋतु में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत वृहद पैमाने पर 03 करोड़ 93 लाख 28 हजार पौधों के रोपण एवं वितरण का कार्य किया जाएगा। प्रधान मुख्य वनसंरक्षक एवं वनबल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि इसके तहत विभागीय योजनांतर्गत 3927 हेक्टेयर तथा 57 किलोमीटर में 38 लाख 68 हजार पौधे, मनरेगा योजना के अंतर्गत 11 किलोमीटर में 4 हजार 900 पौधे, कैम्पा मद के अंतर्गत 2251 हेक्टेयर में 19 लाख 18 हजार पौधे तथा अन्य योजनांतर्गत 238 हेक्टेयर में 8 लाख 63 हजार पौधों के रोपण से राज्य हरितिमा से आच्छादित होगा।

उल्लेखनीय है कि इस वृहद वृक्षारोपण अंतर्गत 28 लाख 51 हजार फ्लदार पौधे, जिसमें आम, जामुन, बेल, कटहल, सीताफल, अनार, शहतूत, बादाम, बेर, तेंदू, गंगा ईमली आदि प्रजाति के पौधों का रोपण किया जाएगा, जिससे वनों में रहने वाले वन्यप्राणियों को सुलभता से आहार प्राप्त हो सके तथा वन्यप्राणी एवं मानव-द्वंद पर नियंत्रण किया जा सके। इसी क्रम में 49 लाख 36 हजार लघु वनोपज एवं वनौषधि पौधे जैसे पुत्राजीवा, काला सिरस, सिंदूरी, गरूड़, रीठा, चित्राक, एलोविरा, गिलोय, अडूसा, अश्वगंधा, सर्पगंधा, तुलसी, छोटा करोंदा आदि प्रजाति तथा 24 लाख 71 हजार बांस के पौधों का रोपण एवं वितरण किया जाएगा, जिससे वनों पर आश्रित आदिवासियों एवं आमजनों को इससे सुलभ रोजगार उपलब्ध हो सके।

इसी तरह नदी तट रोपण के तहत विगत वर्षों की

भांति आगामी वर्षाऋतु में भी प्रदेश की हसदेव, महानदी, कुशमाहा, सासू, तेतरिया, बाकी, बोडा झरिया, चनान, रेड़, कोखवा, कन्हर, बनास, जमाड़ नदियों के तटों पर 534 हेक्टेयर रकबा में लगभग 5 लाख 87 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा, जो न सिर्फमृदा कटाव को रोकेगा साथ ही छायादार, फ्लदार एवं अन्य बहुउद्देश्यों की पूर्ति भी भविष्य में स्थानीय नागरिकों की आवश्यकता के अनुरूप करेगा। वहीं प्रदेश के मार्गों के किनारे हरियाली को बढ़ाने की दृष्टि से सड़क किनारे वृक्षारोपण अंतर्गत 121 किलोमीटर लम्बाई में 72 हजार 100 पौधों का रोपण भी किया जाएगा। यह वृहद वृक्षारोपण न सिर्फवनक्षेत्र के अंदर होंगे अपितु वनक्षेत्र के बाहर निजी एवं शासकीय भूमियों जैसे- आंगनबाड़ी, पुलिस चौंकी, उद्यान, अस्पताल, शमशान, शासकीय परिसर, आदि स्थानों में भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री कश्यप के निर्देशों पर विभाग द्वारा अनूठी पहल करते हुए किसान वृक्ष मित्र योजना अंतर्गत हितग्राहियों के निजी भूमि पर वाणिज्यिक प्रजातियों के वृक्षारोपण, आई.टी.सी. आधारित पेपर मिल, सहयोगी संस्था, निजी कम्पनियों की सहभागिता की स्थिति में उक्त प्रजातियों के वृक्षों का वापस खरीद सुनिश्चित करना है। साथ ही चयनित प्रजातियों के लिए प्रति वर्ष न्यूनतम क्रय मूल्य का निर्धारण करते हुए उनकी आय में बढ़ोत्तरी करना, काष्ठ एवं प्लाईवुड आधारित उद्योगों को बढ़ावा देते हुए अतिरिक्त कर के रूप में शासन के राजस्व में वृद्धि लाना, रोजगार सृजन करना, वृक्षारोपण कार्य में सहयोगी संस्थाओं की सहभागिता से शासन के वित्तीय भार को कम करना है।

राज्य में किसान वृक्ष मित्र योजनांतर्गत कुल 28921 कृषकों की निजी भूमियों पर 43423 एकड़ रकबा में 2 करोड़ 77 लाख 66 हजार 611 पौधों का रोपण किया जाएगा जिसमें से प्रदेश में 29051 एकड़ क्षेत्र में 2 लाख 30 क्लोनल नीलगिरी एवं 367 एकड़ क्षेत्र में 1 लाख 54 हजार 973 टिश्यू कल्चर बांस एवं 390 एकड़ 2 लाख 37 हजार 798 साधारण बांस, 4073 एकड़ में 9 लाख 82 हजार 207 टिश्यू कल्चर सागौन, 7944 एकड़ में 29 लाख 12 हजार 474 साधारण सागौन, 1090 एकड़ में 1 लाख 73 हजार 165 चन्दन पौधे, 385 एकड़ में 1 लाख 58 हजार 667 मिलिया डूबिया पौधों का रोपण किया जाएगा।

वन एवं जलवायु परितर्वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, व्ही. श्रीनिवास राव को वृक्षारोपणों के सतत् अनुश्रवण एवं मूल्यांकन के निर्देश दिए गए हैं। रोपित किये गये पौधों की सतत सुरक्षा कड़ाई से करने के निर्देश प्रसारित किये गये हैं तथा भविष्य में इन रोपणों का अंतरवृत्तीय मूल्यांकन किया जाकर आवश्यक कार्यवाही विभाग द्वारा की जाएगी।

समय पर जीएसटी नहीं भरने वाले कारोबारियों पर होगी सख्त कार्रवाई

वित्त मंत्री चौधरी की अपील : ईमानदारी से करें टैक्स का भुगतान

रायपुर (ए.)। राज्य मे पिछले कुछ वर्षों मे जिलों मे डीएमएफ मद से बड़ी संख्या मे निर्माण कार्य और सामाग्री क्रय की गई है। परंतु जितना व्यय शासन द्वारा किया गया है उस अनुपात मे शासन को जीएसटी नहीं मिला है। स्टेट जीएसटी मे गठित किए गए बिजनेस इंटेलिजेंस यूनिट के द्वारा ए आई आधारित आई टी टूल्स का प्रयोग कर ऐसे व्यवसायियों का एनालिसिस किया जा रहा है जिनके द्वारा शासकीय सप्लाइ तो किया गया है पर जीएसटी नहीं पटाया गया है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर ऐसे मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य मे विगत दिनों कुछ व्यवसायियों की जांच कर उनसे टैक्स जमा करवाया गया । केशकाल के भारत इन्फ्रा नाम के व्यवसायी के प्रकरण मे 91 लाख रु. और रायपुर के कृष्ण इंटर प्राइजेस मे 2.5 करोड़ रु की कर चोरी पकड़ी गई है इसमे से 1.75 करोड़ रु.टैक्स विभाग ने वसूल कर किया है । इसी तरह का एक और मामला हार्टीकल्चर विभाग मे भी पकड़ा गया है जिसमे शेड नेट सप्लाइ करने वाली कंपनी किसान एग्रोटेक को विभाग ने नोटिस दिया है।

इस प्रकार की कर चोरी करने वाले व्यवसायी अक्सर अपनी टैक्स लाईबिलिटी कम दिखाने के लिए बोगस बिलों पर आई टी सी क्लेम करते हैं परंतु यह भूल जाते हैं कि अब विभाग के पास ऐसे कई आई टी टूल्स हैं जिनके कारण इस तरह के मामलों मे बच निकलना कठिन है। राज्य कर विभाग के द्वारा लगातार व्यवसायियों कि बैठक लेकर उन्हे जागरूक भी किया जा रहा है कि कर देयता से बचने का कोई शॉर्टकट न अपनाएं। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भी व्यापारियों से अपील की है की वो ईमानदारी से अपने टैक्स का भुगतान करें।

अब छात्रों को स्कूलों में ही स्वास्थ्य और पोषण की मिलेगी जानकारी

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में नये शैक्षणिक सत्र से कई नवाचार किये जा रहे हैं। इनमें से एक यह है कि अब स्कूल में केवल छात्रों को स्वास्थ्य परीक्षण और पोषण के बारे में जानकारी मिलेगी।

इसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा समय-समय पर प्रत्येक कक्षा के बच्चों की स्वास्थ्य जांच की जायेगी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की ओर से उम्र के अनुरूप दवाएं भी दी जाएंगी। यानी अब स्वास्थ्य विभाग स्कूल पहुंचकर बच्चों का इलाज करेगा। बीमारियों की पहचान कर हम उन बच्चों के बड़े अस्पतालों में इलाज की भी व्यवस्था करेंगे। यानी स्कूल में पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के स्वास्थ्य का भी ख्याल रखा जाएगा। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव ने अधिसूचना जारी कर दी है।

इधर, विद्यार्थियों के जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र आदि बनाने के लिए स्कूलों में कैंप लगेंगे। जिसमें विद्यालय में अध्ययनरत सभी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों का जाति प्रमाण पत्र एवं सभी वर्गों का निवास एवं आय प्रमाण पत्र बनाया जायेगा। सरकारी योजनाओं का लाभ संबंधित वर्ग को मिल सकेगा। अभिभावकों को इसके लिए जागरूक एवं प्रोत्साहित किया जाएगा।

निमंत्रण भोज

पिछले साल की तरह इस साल भी स्कूलों में लंच कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम स्कूली बच्चों को जन्मदिन, शादी की सालगिरह, राष्ट्रीय त्योहारों आदि अवसरों पर पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराने की एक पहल है। संस्था प्रमुख की अनुमति के बाद कोई भी व्यक्ति, समुदाय अपनी इच्छानुसार ऐसा कर सकता है।

पुस्तक दान अभियान

राज्य में कक्षा 1 से 10 तक के बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें वितरित की जाती हैं। नए शैक्षणिक सत्र से पुस्तक दान अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य अभिभावकों को यह जागरूक करना है कि किताबों की उपयोगिता कभी खत्म नहीं होती। वह पुस्तक दूसरों के लिए उपयोगी हो सकती है। इस अभियान के तहत अधिकारियों-कर्मचारियों सहित जन प्रतिनिधियों और आम नागरिकों से भी विभिन्न प्रकार की पढ़ने लायक पुस्तकें दान करने की अपील की जा सकती है।

पीएम जनमन योजना के लिए बजट में 300 करोड़ का प्रावधान

प्रीमीटिव टाईब्स को बुनयादी सुविधाओं के साथ मिल रहे पक्के आवास

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ में केन्द्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना पीएम जनमन योजना से प्रीमीटिव टाईब्स के बसाहटों में मूलभूत सुविधाओं के साथ ही उन्हें पक्के आवास दिए जा रहे हैं। राज्य में इस योजना का क्रियान्वयन के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस वर्ष की बजट में 300 करोड़ रूपये की राशि आबंटित की है। आदिवासी अंचलों में इस योजना के तेजी से अमल के लिए सभी जिला कलेक्टरों को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

देश में पहली बार इन विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना बनाई गई है। यह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु से शुरू की थी। छत्तीसगढ़ में इस योजना पर तेजी से क्रियान्वयन हो रहा है। पीएम जनमन योजना की क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ में रह रहे बिरहोर, पहाड़ी कोरवा, बैगा, कमार और अबूझमाड़िया लोगों को बुनियादी सुविधाओं का लाभ मिलना शुरू हो गया है। घास-फूस के घरों की जगह इन परिवारों को पक्के घर दिए जा रहे हैं।

इन जनजाति परिवारों के बसाहटों में पेयजल, बिजली, सड़क जैसी सुविधाएं भी दी जा रही है।

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री जनजाति, आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जनमन) के तहत वर्ष 2023-24 में 847 करोड़ रूपए की लागत की 1180 कि.मी. लंबाई की 333 सड़कों की स्वीकृति प्रदान की गयी, इन सड़को से 366 विशेष पिछड़ी जनजाति समूह बसाहटों लाभान्वित होगी। इस योजना के अंतर्गत 15,154 परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए हैं। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 300 करोड़ रूपए का बजट रखा गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सुदृढ़ीकरण कार्य हेतु 1419 कि.मी. लंबाई 346 सड़कों हेतु राशि 349 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया है।

सुने लाभार्थियों की जुबानी

बलरामपुर जिले के ग्राम पंचायत हरगवां निवासी श्रीमती भुखना ने बताया कि वह अपने पति और बच्चों के साथ कच्चे के घर में जीवन-यापन कर रही थी। उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए भावुकता से बताया कि सोचा नहीं था कि इस जीवन मे कभी पक्के मकान में रह पाऊंगी, उनके लिये पक्के का मकान एक सपने जैसा था, लेकिन पीएम जनमन अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पक्का आवास बनाने के लिए शासन से स्वीकृति प्रदान की गई। शासन से अनुदान में मिली राशि और स्वयं की बचत राशि को मिलाकर उन्होंने पक्का मकान बना लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री साय का आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय कर्मचारियों-अधिकारियों के लिए पुनरीक्षित दरों पर महंगाई भत्ता भुगतान का आदेश जारी

रायपुर (ए.)। अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के लिए राज्य सरकार ने पुनरीक्षित दरों पर महँगाई भत्ता भुगतान का आदेश जारी कर दिया है। आईएएस अधिकारियों को 1-1-24 से पुनरीक्षित दर से भुगतान किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय से जारी हुए आदेश में छह अलग-अलग बिंदुओं में दिशा निर्देश जारी किया गया है। पुनरीक्षित दरों से महँगाई भत्ते का नियमन भारत सरकार वित् मंत्रालय से होगा। देय महँगाई भत्ते का भुगतान नक़द किया जाएगा। इस भुगतान में विशेष वेतन और व्यक्तिगत वेतन शामिल नहीं होगा। इसके अलावा अधिक भुगतान करने पर ज़िम्मेदार अधिकारियों से वसूली की जाएगी।

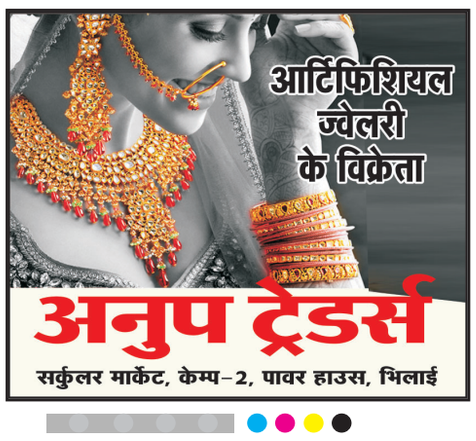

औरों में कहां दम थाः दिल जीत लेगी अजय और तब्बू की आशिकी

अजय देवगन और तब्बू की बहुप्रतीक्षित फिल्म औरों में कहां दम था का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म के पोस्टर और टीजर के बाद से दर्शकों को इसके ट्रेलर का इंतजार था, जो आखिरकार खत्म हो चुका है। निर्माताओं ने औरों में कहां दम था का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसे देख प्रशंसक उत्साहित हो गए हैं। ट्रेलर में दिखी फिल्म की झलक अजय देवगन और तब्बू की अनोखी प्रेम कहानी का वादा करती है, जिसमें कई उतार-चढ़ाव हैं।

तीन मिनट लंबे ट्रेलर में शांतनु माहेश्वरी युवा अजय देवगन की भूमिका निभाते दिखे, जो तब्बू के किरदार से रोमांस करते हुए नजर आ रहे हैं। बाद में एक हत्या के मामले में अजय देवगन जेल चले जाते हैं, जिसकी वजह से तब्बू और वे अलग हो जाते हैं। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कई साल बाद उलझी हुई परिस्थितियों में अजय देवगन और तब्बू को फिर से मिलते हैं। एक ओर अजय जेल से बाहर नहीं आना चाहते, क्योंकि वे बाहर की दुनिया से रूबरू होने के लिए तैयार नहीं हैं, वहीं जब अजय जेल से बाहर आते हैं तो उनका पुराना प्यार तब्बू उनसे मिलने आती हैं, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं।

ट्रेलर में अजय और तब्बू की प्यारी की अधूरी दास्तां देखने को मिली, जिसमे उनके प्यार की शुरुआत से लेकर अलग होने तक की गहरी कहानी दिखाई गई। ट्रेलर देखने से ऐसा लग रहा है कि जिमी शेरगिल ने तब्बू के पति की भूमिका निभाई है। अजय से अलग होने के बाद तब्बू की शादी जिमी शेरगिल से हो चुकी है, लेकिन अजय के जेल से बाहर आने के बाद तब्बू और जिमी अजय से मिलते हैं और पुराने जख्मों को उजागर करते हैं।

ट्रेलर की शुरुआत में तब्बू कहती हैं, कृष्णा... हमें कोई अलग तो नहीं करेगा न, तो शांतनु का किरदार कहता है, हम चेक किए थे, अभी तक कोई पैदा नहीं हुआ है और किसी ने कोशिश भी की तो आग लगा देंगे। वहीं अजय अपने प्यार तब्बू के साथ होली खेलते हुए भी नजर आए। इस अजय के कुछ एक्शन और फाइट सीन्स भी देखने को मिली। इस दौरान अजय कहते हैं, जब दिल से धुआं उठा, बरसात का मौसम था। सौ दर्द दिए उसने, जो दर्द का मरहम था। हमने ही सितम ढाए, हमने ही गैर तोड़े। दुश्मन थे हम ही अपने, औरों में कहां दम था।

वहीं फिल्म के कलाकारों की बात करें तो अजय देवगन और तब्बू के अलावा औरों में कहां दम था में जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी महत्वपूर्ण भूमिका में होंगे। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म को शीतल भाटिया, नरेंद्र हीरावत और कुमार मंगत पाठक के पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है। यह फिल्म पांच जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

स्टाइलिश रेड साड़ी पहने साउथ की हसीना श्रद्धा दास ने ढाया कहर

हॉट अवतार देख फैंस हुए बेकाबू

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा दास हमेशा अपने बोल्ड और स्टाइलिश फैशन सेंस को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर फैंस के बीच छा जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। साउथ की खूबसूरत हसीना श्रद्धा दास ने अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों के बीच अपनी अच्छी पहचान बनाई है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ बेहद ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने रेड कलर की स्टाइलिश साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट और बोल्ड नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं।

हाई बन बनाकर, गले में प्यारा सा नेकलेस और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने इस आउटलुक को शानदार तरीके से कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में काफी ज्यादा डेशिंग नजर आ रही हैं। हालांकि फैंस भी उनकी इन तस्वीरों पर जमकर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने उनकी इन फोटोज पर कॉमेंट्स करते हुए लिखा है- टू मच हॉट, वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है- सो ग्लैमरस, फिर तीसरे यूजर ने हार्ट इमोजी रिएक्शंस देते हुए लिखा है।

'बॉर्डर 2' की रिलीज डेट आई सामने, जानें कब रिलीज हो रही है सनी देओल की फिल्म

सनी देओल की फिल्म 'बॉर्डर 2' की घोषणा के ठीक एक दिन बाद अब फिल्म की रिलीज डेट भी जारी कर दी गई है। पिछले साल सनी देओल की सीक्वल फिल्म 'गदर 2' की भारी सफलता के बाद ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' के सीक्वल 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चा तेज हो गई है। 'बॉर्डर 2' की रिलीज डेट की खबर ने इस फिल्म का इंतजार कर रहे फैन्स का उत्साह और बढ़ा दिया है।

फेमस फिल्म क्रिटिक्स तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म की रिलीज की जानकारी शेयर करते हुए कहा है, 'सनी देओल, जेपी दत्ता, भूषण कुमार ने फिल्म बॉर्डर 2 की घोषणा कर दी है जो 23 जनवरी 2026 को रिलीज होने जा रही है।' बताया गया है कि भारत की सबसे बड़ी वॉर फिल्म कहलाने वाली इस मूवी को रिपब्लिक डे पर एक्सटेंडेड वीकेंड मिलने वाला है।

सनी देओल ने लिखा- 27 साल पुराने वादे को पूरा करने आ रहा है एक फौजी

बता दें कि इस फिल्म की घोषणा गुरुवार 13 जून को करते हुए सनी देओल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था, 'एक फौजी अपने 27 साल पुराने वादे को पूरा करने आ रहा है फिर से इंडिया की सबसे बड़ी वॉर फिल्म बॉर्डर-2 फिल्म 'बॉर्डर' का फेमस सॉन्ग 'संदेशे आते हैं' का म्यूजिक भी पोस्ट के बैकग्राउंड में सुनाई दे रहा है और इस गाने को सुनकर लोग अभी से मंत्रमुग्ध होते दिख रहे हैं।

डायरेक्टर नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरी विश लिस्ट में थाः सई ताम्हणकर

मराठी और बॉलीवुड एक्ट्रेस सई ताम्हणकर इन दिनों विजय वर्मा स्टारर मटका किंग को लेकर काफी चर्चाओं में है। इसे नागराज मंजुले डायरेक्ट कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि नागराज के साथ काम करना उनकी विश लिस्ट में था, जिसके चलते वह काफी एक्साइटेड हैं।

सई ने कहा, नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरी विश लिस्ट में था। मैंने कई इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर इस बारे में भी कई बार बात की है। मैं उनके साथ काम करने के लिए बहुत एक्साइटेड और नर्वस हूं। सई ने कहा, यह अमेजन प्राइम की एक वेब सीरीज है, जिसमें विजय भी शामिल हैं। मुझे इसमें उनके जैसे बेहतरीन एक्टर के साथ काम करने का मौका मिलेगा। अभी, मैं अपने किरदार के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन कुल मिलाकर यह मेरी जिंदगी का सबसे रोमांचक किरदार होगा। मटका किंग में कृतिका कामरा, गुलशन ग्रोवर और सिद्धार्थ जाधव जैसे कलाकार अहम रोल में हैं।

मटका किंग की कहानी 1960 के दशक की है, जिसमें एक कपास व्यापारी मटका नामक एक नया जुआ खेल शुरू करता है। यह खेल शहर में तूफान मचा देता है। यह खेल पहले सिर्फ अमीरों और अभिजात वर्ग के लिए आरक्षित था, लेकिन अब हर वर्ग के लोग जुड़ जाते हैं। रॉय कपूर फिल्म्स के बैनर तले सिद्धार्थ रॉय कपूर और नागराज मंजुले के साथ गार्गी कुलकर्णी, आशीष आर्यन और अश्विनी सिदवानी द्वारा निर्मित इस सीरीज का निर्देशन नागराज ने किया है और मंजुले के साथ अभय कोरानने ने इसे लिखा है।

फिलहाल यह फिल्म प्रोडक्शन स्टेज में है और इसे प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो सई की झोली में ग्राउंड जीरो, अग्नि और डब्बा कार्टेल जैसी फिल्में हैं। उन्होंने कई अवॉर्ड्स अपने नाम किए। वह कबड्डी प्लेयर रह चुकी हैं। वह दुनियादारी, सौ शशि देवधर, पोस्टकार्ड और क्लासमेट्स जैसी शानदार फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने हंटर, लव सोनिया, गजनी, वेक अप इंडिया, मिमी, इंडिया लॉकडाउन, तेंदुलकर आउट और हाल ही में भक्षक जैसी हिंदी फिल्मों में भी काम किया हैं।

कोटा फैक्ट्री 3 का ट्रेलर हुआ रिलीज, नई फिलॉसफी के साथ लौटे जीतू भैया

पंचायत 3 के बाद अब जितेंद्र कुमार कोटा फैक्ट्री के तीसरे सीजन के जरिए ओटीटी पर धमाल मचाने आ रहे हैं। दरअसल, इस मोस्ट पॉपुलर सीरीज का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो आईआईटी जाने की तैयारी कर रहे छात्रों पर आधारित है। ट्रेलर की शुरुआत, जितेंद्र कुमार के किरदार जीतू भैया से होती है, जो पॉडकास्ट में बात कर रहे हैं कि हमें रिजल्ट के साथ-साथ आईआईटी उम्मीदवारों की तैयारी को भी सेलिब्रेट करना चाहिए।

ट्रेलर में एक्ट्रेस तिलोत्तमा शोम टीचर के रोल में है, जो छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बताती हैं। ट्रेलर के जीतू भैया से पूछा जाता है, कि उनके छात्र उन्हें जीतू सर के बजाय जीतू भैया क्यों कहते हैं? इसके जवाब में वह बताते है, कोटा में बच्चों के लिए सब कुछ होता है, पर ये लोग सिर्फ जेईई उम्मीदवार नहीं हैं। हम लोग भूल जाते हैं ये लोग 15-16 साल के बच्चे हैं। उनमें दुनिया भर की इनसिक्योरिटी है। अगर टीचर डांट दे तो डिमोटिवेट हो जाते हैं। दोस्त ने कुछ कह दिया तो वो इनको बुरा लग जाता है। ये बच्चे हर चीज सीरियसली लेते हैं, इनकी जिम्मेदारी लेना बहुत बड़ी चीज है, जिसे जीतू सर हैंडल नहीं कर पाएंगे।

छात्रों को बेहतर परफॉर्म करने और उनकी उम्मीदों को बनाए रखने के लिए जीतू सर की नहीं बल्कि जीतू भैया की जरूरत है। ट्रेलर में मयूर मोरे का किरदार वैभव लाख कोशिशों के बाद भी सीट हासिल करने में नाकाम रहता है और उसे फिर से पूरी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इससे उसकी दोस्ती पर भी असर पड़ता है। ट्रेलर के आखिर में जीतू भैया इस बात पर जोर देते हैं कि उनके लिए हर छात्र मायने रखता है, चाहे वे आईआईटी में रैंक हासिल करे या नहीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने इसी फिलॉसफी पर अपने संस्थान को खोला है और इसी के मुताबिक चलाऊंगा भी। सीरीज में मयूर मोरे, रंजन राज, आलम खान और रेवती पिल्लई भी अहम रोल में हैं। बता दें कि शो के पिछले दो सीजन को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। इसका पहला सीजन 2019 में रिलीज हुआ था, और दूसरा सीजन 2021 में आया था। कोटा फैक्ट्री 3 20 जून, 2024 से नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

क्या है नो रॉ डाइट? जानिए इसके फायदे व नुकसान

सोशल मीडिया पर आए दिन डाइट से जुड़े रुझान आते-जाते रहते हैं, लेकिन आपके लिए यह समझना जरूरी है कि आपके शरीर को क्या सूट करता है।हाल ही में प्रसिद्ध अभिनेत्री विद्या बालन ने एक इंटरव्यू में अपनी आहार संबंधी नियमों के बारे में बताया और इसी दौरान उन्होंने नो रॉ डाइट का भी जिक्र किया, जिसके बाद से यह काफी चलन में आ गया है। आइए जानते हैं कि नो रॉ डाइट क्या है और कैसे लाभदायक है।

क्या है नो रॉ डाइट?

यह एक ऐसी डाइट है, जिसमें कच्चे खाद्य पदार्थ नही लेने होते हैं।इसमें खाद्य पदार्थों को भूनकर, पकाकर, उबालकर या फिर किसी भी अन्य तरीके से संसाधित करके उनका सेवन करना शामिल है।यह उन लोगों के लिए उपयुक्त साबित हो सकता है, जिन्हें कच्चे खाद्य पदार्थों का सेवन न करने की सलाह दी जाती है, जैसे कि कमजोर इम्यूनिटी वाले, पाचन ससमस्याओं से ग्रस्त और गर्भवती महिलाओं के लिए कुछ कच्चे खाद्य पदार्थों का सेवन नुकसानदायक होता है।

डाइट में होना चाहिए कच्चे और पके खाद्य पदार्थों का संतुलन- विशेषज्ञ

खाद्य पदार्थों को पकाकर खाने से उन पर मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया और परजीवी मर जाते हैं, जिससे खाद्य जनित बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।उदाहरण के लिए टमाटर को पकाने के बाद इसमें मौजूद लाइकोपीन जैवउपलब्ध हो जाता है।हालांकि, पोषण विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे और पके दोनों प्रकार के खाद्य पदार्थों को शामिल करने से पोषक तत्वों और स्वास्थ्य लाभों का संतुलन सुनिश्चित होता है।

नो रॉ डाइट से मिलने वाले फायदे

खाना पकाने से कुछ पोषक तत्वों की जैवउपलब्धता बढ़ सकती है, जिससे वे शरीर द्वारा अधिक आसानी से अवशोषित हो जाते हैं।इससे खाद्य जनित बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है, जो कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकती है।जब खाद्य पदार्थों को पकाया जाता है तो इससे उनमें कठोर कोशिका दीवारें और फाइबर टूट जाते हैं, जिससे शरीर के लिए उन्हें पचाना आसान हो जाता है।

नो रॉ डाइट के दुष्प्रभाव

फल और सब्जियों को पकाने से कुछ विटामिन और एंजाइम खत्म हो जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप उनका सेवन शरीर में पोषक तत्वों की कमी कर सकता है।इसके अतिरिक्त कुछ खाद्य पदार्थों को पकाने से उनमें मौजूद फाइबर कम हो सकता है और शरीर को पर्याप्त फाइबर न मिलने के कारण पाचन संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।पके खाने से भरपूर पोषण न मिल पाने से शरीर भी ढंग से काम नहीं कर पाता।

रोजाना कुछ मिनट बैठे-बैठे करें ये 5 योगासन वजन घटाने में मिलेगी मदद

रोजाना योग करने से तनाव और शरीर की अतिरिक्त चर्बी को प्रभावी ढंग से कम करने में मदद मिल सकती है।अलग-अलग योग आसन शरीर के अलग-अलग हिस्सा को लक्षित करते हैं और आज हम आपको कुछ ऐसे योगासनों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें रोजाना 20-30 मिनट बैठकर करने से आप अपने वजन को नियंत्रित कर सकते हैं।आइए उन प्रभावी योगासनों के बारे में जानते हैं।

पश्चिमोत्तानासन

सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को आपस में सटाकर आगे की ओर फैलाकर बैठें।अब दोनों हाथ ऊपर की ओर उठाएं फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए आगे कि ओर झुकें और माथे को घुटनों से सटाते हुए हाथों से पैरों के अंगुठों को पकड़ने का प्रयास करें।कुछ सेकंड के लिए इसी अवस्था में बने रहें और सामान्य रूप से सांस लेते रहें, फिर गहरी सांस लेते हुए सामान्य हो जाएं।यहां जानिए पश्चिमोत्तानासन से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें।

नावासन

सबसे पहले योगा मैट पर बैठकर पैरों को एकदम सीधा फैला लें।इसके बाद अपने दोनों पैरों के पंजों को आपस जोड़ते हुए उन्हें 45 डिग्री तक सांस भरते हुए उठा लें। अब अपने दोनों हाथों को कंधे की सीध में उठाते हुए घुटनों की तरफ एकदम सीधा रखें।इसी अवस्था में अपने सिर और पीठ को भी उठाएं और नाव का आकार ले लें। इसके बाद सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे योगासन को छोड़ें।

बालासन

इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर वज्रासन की मुद्रा में बैठें और गहरी सांस लेते हुए हाथों को ऊपर उठाएं, फिर सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे आगे की ओर झुककर माथे को जमीन से सटाएं।इस अवस्था में दोनों हाथ सामने, माथा जमीन से टिका हुआ और छाती जांघों पर रहेगी।कुछ सेकंड इसी मुद्रा में रहकर सामान्य रूप से सांस लेते रहें। इसके बाद सांस लेते हुए धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन

अर्ध मत्स्येन्द्रासन के लिए सबसे पहले दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं, फिर दाएं पैर को घुटने से मोड़ते हुए बाएं घुटने के ऊपर से इसके किनारे पर रख लें।इसके बाद बाएं घुटने को मोड़कर इसकी एड़ी को दाएं कूल्हे के नीचे रखें और बाएं हाथ से दाएं टखने को पकड़ने की कोशिश करें।इस दौरान दाएं हाथ को कमर के पीछे रखें। कुछ सेकंड इसी स्थिति में बने रहें और धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

बिटिलासन

इस आसन के लिए सबसे पहले योगा मैट पर वज्रासन की मद्रा में बैठें, फिर आगे की ओर झुकते हुए दोनों हाथों को आगे सीधे जमीन पर टिका लें।अब कूल्हे को ऊपर की तरफ और पेट को जमीन की ओर दबाएं। इसके बाद सिर को उठाते हुए कुछ सेकंड सीधे या फिर आसमान की तरफ देखें।कुछ देर इस मुद्रा में बने रहने के बाद धीरे-धीरे वज्रासन की अवस्था में वापस आ जाएं और आसन छोड़ दें।

खास खबर

कानून व्यवस्था बनाए रखने में सशक्त सूचना तंत्र की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण- कलेक्टर

रायगढ़। जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने में सूचना तंत्र और इंटेलीजेंस की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। राजस्व और पुलिस प्रशासन का अमला मैदानी स्तर पर अपने सूचना तंत्र को मजबूत रखें। ऐसी किसी भी सूचना या अफवाह पर नजर रखें जिससे शांति और कानून व्यवस्था बिगड़ सकती है और उस पर तत्काल एक्शन लें। यह बातें कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने अधिकारियों से कही। उन्होंने आज दोपहर कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में लॉ एंड ऑर्डर को लेकर समीक्षा बैठक ली। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल भी बैठक में शामिल हुए। कलेक्टर गोयल ने कहा कि असामाजिक तत्वों और अशांति फैलाने वाले लोगों की पहचान कर किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि में लिप्त होने पर कार्यवाही करें। हर ग्राम स्तर पर सूचना तंत्र मजबूत रखें। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने थाना स्तर पर भी अपने क्षेत्र से संबंधित इलाकों की जानकारी अपडेट रखने के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध में अविलंब कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफार्म में अपुष्ट सूचनाओं और फेक न्यूज पर नजर रखने और सही तथ्यों के साथ जानकारी प्रसारित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर गोयल ने कहा कि विस्फोटकों का भंडारण मापदंडों के अनुसार होना चाहिए व सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी एसडीएम से कहा कि अपने क्षेत्र में विस्फोटकों के भंडारण की मौका मुआयना कर जांच करें। औद्योगिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले विस्फोटक के भंडारण के संबंध में अपडेटेड जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर गोयल ने अस्पतालों में फायर सेफ्टी के संबंध में जानकारी ली। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि अस्पतालों में फायर एक्सटिंग्विशर लगाए गए हैं।

शत-प्रतिशत प्रशिक्षित युवाओं का प्लेसमेंट करें सुनिश्चित

कोंडागांव। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने शुक्रवार को कौशल विकास के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टोरेट के भू-तल स्थित सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने युवाओं के कौशल विकास को शासन का महत्वपूर्ण कार्यक्रम बताते हुए गंभीरतापूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान लाईवलीहुड कॉलेज के निकट ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना हेतु स्थान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं लाईवलीहुड कॉलेज में प्रशिक्षण हेतु आने वाले युवाओं के लिए छात्रावास उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा अनुसार प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के सभी लाभार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सभी ट्रेड में प्रशिक्षकों का पंजीयन सुनिश्चित करने के साथ ही आवश्यक संसाधन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने इसके साथ ही सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में भी छात्रों की संख्या के साथ ही प्रयोगशालाओं के स्थिति की जानकारी भी ली। उन्होंने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से भी युवाओं को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए।

नियद नेल्लानार योजना : कोयलीबेड़ा के मूल्यांकन शिविर में 80 हितग्राहियों का हुआ पंजीयन

कांकेर। कलेक्टर नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार नियद नेल्लानार योजना के तहत् आज ग्राम पंचायत कोयलीबेड़ा में दिव्यांगजनों और वृद्धजनों के लिए कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण मूल्यांकन एवं पेंशन निवारण शिविर का आयोजन समाज कल्याण विभाग द्वारा किया गया। समाज कल्याण की उप संचालक श्रीमती क्षमा शर्मा ने बताया कि उक्त शिविर में 80 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया, जिसमें 05 हितग्राही पेंशन हेतु पात्र पाए गए। वहीं 02 वृद्धजन हितग्राहियों को छड़ी प्रदान किया गया और 08 दिव्यांग मेडिकल प्रमाण-पत्र बनाया गया। शिविर में ग्राम पंचायत कोयलीबेड़ा के सरपंच, अन्य प्रतिनिधि एवं समाज कल्याण विभाग से प्र.सहा. अधीक्षक श्री आशीष देव शोरी, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध कोमलदेव चिकित्सालय से अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. एल.के. देव, ई.एन.टी. विशेषज्ञ डॉ. विजय उसेण्डी, मेडिकल बोर्ड प्रभारी एस.एन. शुक्ला, मनीष जैन उपस्थित थे।

भव्य और सफल आयोजन रहा राष्ट्रीय आम महोत्सवः डॉ. अलंग

प्रदर्शनी में शामिल विभिन्न श्रेणियों, उत्कृष्ट प्रादर्शों को पुरस्कृत किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 14 जून तक आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि संभागायुक्त रायपुर एवं महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय अलंग थे। समारोह की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में संचालक उद्यानिकी एस. जगदीशन उपस्थित थे।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. संजय अलंग ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव एक अनोखा और सफल आयोजन रहा, जिसमें देश भर के 600 से अधिक कृषक प्रतिभागियों द्वारा आम की 350 विभिन्न किस्मों के दो हजार से अधिक प्रादर्श छत्तीसगढ़ वासियों के अवलोकनार्थ रखे गए थे। इस आम महोत्सव को रायपुर सहित छत्तीसगढ़ के लोगों का प्यार मिला और तीन दिनों तक आमों की इतनी सारी और विविध किस्मों को दखने के लिए दर्शक उमड़े रहे। तीन दिनों के आयोजन के दौरान लगभग 5 लाख रूपये के आम एवं पौधों की बिक्री होना आयोजन की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने इस सफल आयोजन हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, प्रशासनिक अधिकारियों, वैज्ञानिकों तथा आयोजन समिति के सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। समारोह की अध्यक्षता करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रकृति की ओर संस्था की सहयोग से पहली बार तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव आयोजित किया गया, जिसे आम नागरिकों का जबरदस्त प्रतिसाद मिला। उन्होंने कहा कि आम महोत्सव में लगाई गई आम प्रदर्शनी को देखने हजारों लोग आए। महात्सव के दौरान आम की किस्मों तथा व्यंजनों पर केन्द्रित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। डॉ. चंदेल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा आगामी वर्ष इस आम महोत्सव को और भी भव्य तथा विस्तृत रूप में आयोजित किया जाएगा। संचालक उद्यानिकी श्री एस. जगदीशन ने बताया कि छत्तीसगढ़ की आबोहवा आम की खेती के लिए काफी उपयुक्त है। राज्य की 46 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में लगभग ढ़ाई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फलों की खेती की जा रही है, जिसमें एक लाख हेक्टेयर रकबे में आम का उत्पादन हो रहा है। समापन समारोह में आम महोत्सव के दौरान लगाई गई प्रदर्शनी के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में शामिल प्रादर्शों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

आम से बने व्यंजनों की प्रतियोगिता हेतु भी पुरस्कार प्रदान किये गये। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाली उत्कृष्ट संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया। समापन समारोह में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव जी.के. निर्माम, संचालक अनुसंधान डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, प्रकृति की ओर संस्था के अध्यक्ष मोहन वर्ल्यानी सहित बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषक प्रतिभागी, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, विभिन्न कृषि महाविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के कृषि वैज्ञानिक तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से भारतीय प्रशासनिक सेवा 2023 के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज यहां उनके निवास कार्यालय में भारतीय प्रशासनिक सेवा 2023 के प्रशिक्षु अधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री को अपर मुख्य सचिव तथा छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी निमोरा के महानिदेशक सुब्रत साहू ने बताया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा 2023 के चार अधिकारियों अनुपमा आनंद, तन्मय खन्ना, एम भार्गव और दुर्गाप्रसाद अधिकारी को छत्तीसगढ़ कैडर मिला है। छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी निमोरा में इन अधिकारियों ने आठ सप्ताह का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इसके पश्चात इनकी पदस्थापना रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग व जांजगीर-चांपा जिलों में की जाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनसे प्रशिक्षण के दौरान हुए अनुभवों के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रशिक्षण अवधि का पूरा लाभ उठाकर प्रशासनिक दक्षता प्राप्त करें ताकि उत्कृष्टता के साथ पदेन दायित्वों का निर्वहन कर सकें। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के रूप में आपके पास राष्ट्र की सेवा का महत्वपूर्ण अवसर है। इस मौके पर छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के संचालक टीसी महावर और प्रशिक्षण संचालक श्रीमती सीमा सिंह उपस्थित रहीं।

बलौदाबाजार जिले में अब शांति का वातावरण

कलेक्टोरेट और एसपी कार्यालय जिला कार्यालयों में सुचारू रूप से संचालित होने लगा दैनिक कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार के कलेक्टोरेट और एसपी कार्यालय में बीते दिनों हुई आगजनी की घटना के बाद अब जिले में शांति का वातावरण है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दीपक सोनी के मार्गदर्शन में जिला कार्यालयों में अब दैनिक व शासकीय कार्यों का संचालन सुचारू रूप से होने लगा है। जिले के ग्रामीणों द्वारा भी अब जिला कार्यालयों में आकर अपनी समस्याओं व शासकीय कार्यों के आवेदन जमा किए जा रहे हैं। कलेक्टर सोनी के निर्देश पर आज 11 हितग्राहियों को उनकी मांग पर तत्काल राशनकार्ड जारी कर किया गया। वहीं दो दिनों में लोकसेवा केन्द्रों के माध्यम से 389 प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया है।

बालौदाबाजार जिले के कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने आज यहां बताया कि जिले में कलेक्टोरेट (कम्पोजिट बिल्डिंग) में आगजनी की घटना के बाद एक ओर जहां रेस्टोरेशन के कार्यों में तेजी लाई गई है, वहीं दूसरी ओर दूर दराज से कामकाज के सिलसिले में ग्रामीण आवेदन लेकर जिला कार्यालय पहुंच रहे है। कलेक्टर ने बताया कि आज खाद्य शाखा में बड़ी संख्या में आवदेक राशन संबधित कार्यों के सिलसिले में पहुंचे थे। जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 11 हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड एवं 8 हितग्राहियों को नवीनकरण राशन कार्ड प्रदान किया गया।

कलेक्टर श्री सोनी ने इस दौरान ग्रामीणों का हालचाल पूछा और कामकाज के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान ग्रामीण कविता बाई ने महिला समूह से जुड़कर काम करने की इच्छा जताई जिस पर कलेक्टर श्री सोनी ने कहा कि हम आने वाले दिनों में बिहान समूह का विस्तार करते हुए आजीविका गतिविधियों में तेजी लाएंगे और आपको समूह से जोड़कर आजीविका गतिविधियों से प्रशिक्षित भी करेंगे। 11 हितग्राहियों में विकासखंड कसडोल अंतर्गत ग्राम पिकरी से श्रीमती दुर्गेश्वरी यादव, छाछी से श्रीमती प्रीति साहू, सेल से श्रीमती गणेशी, बलौदाबाजार अंतर्गत भरसेला निवासी कुलेश्वरी, नगर से धनेश्वरी यादव, पूजा पटेल, कुंती यादव, लीलाबाई, आशा साय, रेशमा एवं मनीषा वर्मा, 8 नवीकरण राशन कार्ड हितग्राहियों में शहर बाई, प्रमिला बाई मानिकपुरी, कविता बाई, धरम बाई, शिवकुमारी, कौशल्या एवं प्रभा मानिकपुरी शामिल है। सभी ने प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है। इसी तरह ग्राम सुकलाभाठा एवं चिराही से पहुँचे कुमारी मीनाक्षी निषाद पिता शिव कुमार निषाद तथा वासु आज़ाद पिता रमेश आज़ाद आधार अपडेट हेतु लोक सेवा केन्द्र पहुंचे, जिस पर तत्काल उन्हें अपडेशन के साथ आधार कार्ड कलेक्टर द्वारा प्रदान किया गया। कलेक्टर ने लोगों से छोटे बच्चे जिनका आधार अपडेट 5 साल एवं 14 साल में होना है वह अपडेट अनिवार्य रूप नवीन आधार कार्ड अपग्रेड करने के लिए प्रेरित किया। गौरतलब है कि कलेक्टर दीपक सोनी आज सुबह 10 बजे जिला कार्यालय पहुंचे। उन्होंने नियमित कामकाज करते हुए अधिकारियों की मैराथन बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सोनी ने आमजनों से मुलाकात कर उनके आवेदनों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबधित अधिकारियों को दिए है।

आकांक्षी जिलों में रैंक सुधार के लिए समर्पण भावना से कार्य करें: नोडल अधिकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आकांक्षी जिले में हो रहे कार्यों की नीति आयोग द्वारा आज समीक्षा की गई। नीति आयोग नई दिल्ली से छत्तीसगढ़ के लिए राज्य नोडल अधिकारी श्रीमती निधि छिब्बर ने आकांक्षी जिलों के 20 विकासखण्डों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और ब्लॉक फैलो से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिलों के लिए तय किए गए सभी इंडीकेटर में रैंक सुधार के लिए समर्पण की भावना से काम करें।

राज्य नोडल अधिकारी छिब्बर ने कहा कि सरकार अपने नागरिकों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और सभी के समावेशी विकास सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्ध है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम का उद्देश्य विकास के दौर में पिछड़ चुके जिलों में समावेशी विकास सुनिश्चित हो सके। बैठक में उन्होंने स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबंधित सेवाएं, बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक विकास के सभी इंडीकेटर पर विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिलों के लिए तय किए गए सभी इंडीकेटर में रैंक सुधार के लिए समर्पण की भावना से काम करें। योजनाओं के क्रियान्वयन में यह देखा जाना चाहिए कि जमीनी स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन कैसे हो रहा है। बैठक में उन्होंने बेसलाईन डाटा में किए गए सुधार और कार्यक्रम से जुड़े अन्य गतिविधियों की भी समीक्षा की।

छिब्बर ने कहा कि सतत विकास के लक्ष्य को स्थानीय बनाया जाए। बैठक में भारत नेट परियोजना की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया। व्यवस्थित ढंग से डाटा एंट्री के लिए ट्रेनिंग की पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश दिए। इस मौके पर सभी ब्लॉक फैलो और मुख्य कार्यपालन अधिकारियों ने आकांक्षी जिलों में किए जा रहे कार्यों की प्रगति के संबंध में पावर प्वाइंट के माध्यम से अपना प्रेजेंटेशन भी दिया।

बैठक में नीति आयोग के सदस्य सचिव अनूप श्रीवास्तव, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद, चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रितेश अग्रवाल, स्वास्थ्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, कृषि, स्कूल शिक्षा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में होगी जियो-रेफ्रेंसिंग से ई-गिरदावरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राजस्व प्रशासन को चुस्त-दुरूस्त करने का काम शुरू कर दिया गया है। राज्य में अब डिजिटल क्रॉप सर्वे के लिए तैयारियां की जा रही हैं, इस सर्वे को अंजाम देने के लिए राजस्व विभाग द्वारा भूमि का जियो-रेफ्रेंसिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। एक ओर जियो-रेफ्रेंसिंग से भूमि विवादों में कमी आएगी। वहीं दूसरी ओर फसलों की ई-गिरदावरी का कार्य आसान हो जाएगा।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य में सुशासन के लिए पारदर्शी और बेहतर प्रशासन के लिए शासकीय काम-काज में अधिक से अधिक आईटी का उपयोग करने के निर्देश सभी विभागों को दिए हैं। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में राजस्व अधिकारियों को भूमि के जियो-रेफ्रेंसिंग का कार्य तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने बैठक में कहा कि ग्रामीणों और किसानों को नामांतरण, बटवारा, सीमांकन और व्यपवर्तन कार्य में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी जनता की दिक्कतों को पूरी संवदेनशीलता के साथ दूर करने के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की शिकायत पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सत्र को ध्यान रखते हुए सभी राजस्व अधिकारी सुनिश्चित करें कि बच्चों को आय और जाति प्रमाण पत्र के लिए भटकना न पड़ें।

राजस्व मंत्री वर्मा ने कहा कि अविवादित नामांतरण प्रकरणों के निराकरण में यह देखा गया है कि ऐसे प्रकरणों को बिना किसी कारण के अनावश्यक खारिज किया जा रहा है। ऐसे प्रकरणों पर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि किसानों के भू-अभिलेख में त्रुटि सुधार के लिए अभियान चलाया जाए, इसके लिए पंचायत स्तर पर आवेदन लेकर उसका निराकरण किया जाए। उन्होंने युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिए राज्य के सभी जिलों में जिला स्तरीय खेल आयोजन के लिए मैदान का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए।

न्यू किट्टी बुक एंड स्टेशनरी मार्ट
• खाता बही, माला,
• फ्लावर झालर,
• लेजर बुक,
• कैश बुक,
• रोकड़ बही खाता
• कैलेंडर स्टेशनरी सामान
किसी भी बुक एंड स्टेशनरी में जाने से पहले एक बार न्यू किट्टी में जरूर पधारें...
नेहरू भवन रोड, सुपेला, भिलाई, मो.-9584917866, 6261748903

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

शराब बेचते पकड़ाया युवक, 80 पौवा देशी प्लेन मदिरा जब्त

राजनांदगांव (ए.)। शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने अवैध रूप से शराब विक्रय करने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 80 पौवा देशी प्लेन शराब जब्त किया है। मामले में आरोपी के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

बता दें कि पुलिस अधीक्षक राजनादगांव मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक राजनादगांव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व मे थाना कोतवाली पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों एवं अवैध शराब बिक्री करने वालो के विरूद्व चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 14 जून को मुखबीर की सूचना पर नवीन होटल के पास पुराना बस स्टैण्ड राजनांदगांव में आरोपी नितेश खुटेल पिता जितेन्द्र खुटेल 18 वर्ष निवासी 16 खोली वार्ड नं. 06 स्टेशन पारा राजनांदगांव ओपी चिखली थाना सिटी कोतवाली जिला राजनांदगाव के कब्जे से अवैध रूप से बिक्री करने हेतु रखे 80 पौवा देशी प्लेन मदिरा एवं बिक्री रकम 480 रुपये जब्त किया गया। मामले में आरोपी के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट कायम कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय पेश किया गया, आरोपी का जेल वारंट प्राप्त होने पर जिला जेल राजनांदगांव में दाखिल किया गया।

सेक्सटार्शन मामले में गिरोह के तीन अंतर्राज्यीय आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर (ए.)। शहर के एक रिटायर्ड तहसीलदार को डरा धमकाकर ऑनलाइन 11 लाख रुपये की ठगी करने वाले सेक्सटार्शन गिरोह के तीन अंतर्राज्यीय शातिर आरोपियों को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को सेना का अधिकारी बनकर लोगों को कॉल कर सेक्सटॉर्शन के जरिए ऑनलाइन ठगी करते थे।

मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी रिटायर्ड तहसीलदार को 8 अप्रैल 2024 से 24 अप्रैल 2024 तक अश्लील वीडियो वायरल करने के नाम पर और डरा धमका कर झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर साइबर ठगों ने अलग-अलग तिथियों में करीब 11 लाख की ठगी कर धोखाधड़ी की थी। जिसकी शिकायत पीड़ित ने थाने में दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने जांच शुरू किया था। प्रार्थी के साथ धोखाधड़ी करने वाले व्यक्तियों की जानकारी सायबर पोर्टल संदिग्ध बैंक खातों को चिन्हांकित कर एकाउंट स्टेटमेंट, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और टेक इंट के माध्यम से प्राप्त किया गया। इस दौरान आरोपी राजस्थान के थाना कामां अंतर्गत ग्राम हजारीबास और दोलाबास के निवासी होने की जानकारी मिली। जिसपर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम निरीक्षक राजेश मिश्रा के साथ राजस्थान रवाना की गई। जहां टीम ने एक सप्ताह तक राजस्थान में रहकर आरोपियों का पता ठिकाना मालूम कर विवेचना शुरू की। जिसमें तीन आरोपियों को ऑनलाइन ठगी का काम करने में संलिप्त होने की जानकारी मिली। जिसके बाद मामले में पुलिस ने तीनों आरोपी तारिफ पिता दीन मोहम्मद उर्फ दीनू उम्र 25 वर्ष निवासी हजारीबास, मो. शमीम पिता अब्दुल रशीद उम्र 21 वर्ष निवासी हजारीबास तथा अमजद खान पिता शरीफ खान उम्र 32 वर्ष निवासी दोलाबास को पकड़ा और उनसे पूछताछ की। इस दौरान आरोपियों ने ऑनलाइन ठगी करने का जुर्म स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से ठगी में उपयोग आने वाले फर्जी सिम कार्ड और फर्जी बैंक खाते तथा घटना में प्रयुक्त 4 मोबाइल जब्त किया है।

बलौदाबाजार कांड : 30 और उपद्रवी हुए गिरफ्तार, 150 आरोपियों को भेजे गए जेल

18 जून को कांग्रेस करेगी प्रदर्शन, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज रायपुर में संभालेंगे मोर्चा

बलौदाबाजार (ए.)। 10 जून को बलौदा बाजार में हुए आगजनी एवं तोड़फोड़ की घटना के बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं कलेक्ट्रेट कार्यालय बिल्डिंग में पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा रिनोवेशन का काम जोर-शोर से जारी है। बताया जा रहा है कि पिछले 4 दिनों से लगातार पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं अन्य शाखा कार्यालय को व्यवस्थित करने में विभाग के अधिकारी कर्मचारी जुटे हुए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को आगजनी से प्रभावित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अंदर की स्थिति दिखाई गई थी। यहां पर जिला आबकारी विभाग का कार्यालय है। यहां पर भी आगजनी से काफी नुकसान हुआ है। आगजनी से आबकारी कार्यालय के रिकॉर्ड रूम की काफी ज्यादा फाइल जल गई है या पानी से भीग जाने की वजह से खराब हो गई है। आबकारी विभाग में अभी कामकाज अलग से कमरे में अस्थाई रूप से शिफ्ट किया गया है। इसमें जिला आबकारी अधिकारी सहित अन्य कर्मचारी बैठते हैं। वहीं विभाग में काम कर रहे कर्मचारी फाइलों एवं अन्य सामान को व्यवस्थित करने में जुटे हुए हैं।

लाखों का नुकसान

जिला आबकारी अधिकारी एल के गायकवाड़ ने बताया कि हमारे विभाग में भी काफी ज्यादा नुकसान हुआ है, जिसमें फोटोकॉपी की मशीन सहित काफी जरूरी दस्तावेज जल गए हैं। उन्होंने 18 से 20 लाख रुपए के नुकसान होने का अनुमान लगाया है। यहां लगे लगभग सभी एसी सहित फर्नीचर इत्यादि जल चुके हैं। फिलहाल अभी बिजली विभाग एवं पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा सुधार का कार्य करवाया जा रहा है। इसलिए सुचारू रूप से काम काज जल्द ही शुरू होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

अब तक 150 आरोपी गिरफ्तार

10 जून को बलौदा बाजार कलेक्ट्रेट में आगजनी एवं हिंसा के मामले में 30 और उपद्रवी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। अब तक गिरफ्तार कुल आरोपियों की संख्या 150 हो गई है। सभी आरोपियों को देर रात प्रदेश के अलग-अलग जेलो में भेजा गया। इस मामले में फरार लगभग 200 आरोपियों की अभी भी तलाश जारी। पुलिस की 10 टीम फरार आरोपियों की में तलाश में जुटी है।

घटना पर सियासत खेल जारी

18 जून को प्रदेशभर में जिला स्तर पर कांग्रेस प्रदर्शन करेगी। बलौदाबाजार आगजनी की घटना और कानून-व्यवस्था के मसले पर प्रदर्शन प्रदेश कांग्रेस कार्यालय की ओर से प्रदर्शन के लिए सभी जिलों के लिए प्रभारी नियुक्त किए गए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज रायपुर में मोर्चा संभालेंगे।

स्थिति हुई सामान्य

कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर सरकार पर असक्षम होने के लगाए आरोप मामले में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का बयान सामने आया है। राज्य सरकार पूरी तरह संवेदनशील है कांग्रेस के लोग ही प्रायोजित तरीके से अशांति फैलाने का काम किये कांग्रेस चाह रही थी, पुलिस लाठी चार्ज करें गोलियां चलाये लेकिन बीजेपी सरकार ने ऐसा कोई भी काम नहीं किया लापरवाही बरतने पर जिले के डीएम और स्क को निलंबित कर दिया है। बलौदाबाजार की स्थिति और हालात एकदम सामान्य है। कांग्रेस के नेता, पूर्व मंत्री उनका वहां पर होना यह सिद्ध करता है। राजनीतिक लोलुपता के चलते घटना हुई है।

गहन टिकट चेकिंग अभियान चलाकर वसूला जुर्माना

अवैध वेंडरों के विरुद्ध भी की गई कार्रवाई

बिलासपुर (ए.)। टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा एवं बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की रोकथाम तथा स्टेशनों में यात्रियों को रेलवे नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा मंडल वाणिज्य प्रबंधक एस भारतीयन के नेतृत्व में बिलासपुर-चांपा-भाटापारा सेक्शन में 12 जून को गहन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य टिकट निरीक्षक व टीटीई स्टाफ भी शामिल थे।

इस दौरान बिलासपुर-चांपा-भाटापारा स्टेशनों के मध्य विभिन्न ट्रेनों में तथा बिलासपुर व उसलापुर स्टेशन में टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इसके साथ ही 12834 हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस के पेंट्रीकार की भी जांच की गई। पेंट्रीकार में कार्यरत कर्मचारियों का मेडिकल सर्टिफिकेट, परिचय-पत्र, सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। साथ ही अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता तथा वैधता जाँची गई इस दौरान एक वेंडर के पास मेडिकल सर्टिफिकेट व परिचय-पत्र नहीं पाये जाने पर जुर्माने की कार्रवाई की गई।

टिकट चेकिंग के दौरान बिलासपुर स्टेशन में 05 अनाधिकृत वेंडर पकड़े गए तथा उनसे 4090 रुपए बतौर जुर्माना वसूले गए। इस टिकट चेकिंग अभियान में कुल 378 मामलों से 2,91,345 रूपये बतौर जुर्माना वसूला गया। जिसमें बिना टिकट के 294 मामले से 2,58,390 रुपये, अनियमित टिकट के 68 मामले से 31,355 रुपये तथा बिना बुक लगेज के 16 मामले से 1600 रुपये शामिल है।

डंडे से पीट-पीटकर भांजे ने ले ली अपने मामा की जान

रायगढ़ (ए.)। आपसी विवाद में भांजे ने अपने मामा की डंडा मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम किलकिला निवासी पुरूषोत्तम पैंकरा ने थाने में सूचना दी कि 11 जून की दोपहर वह खाना खा कर घर में आराम कर रहा था। इसी दौरान उसे पड़ोस में रहने वाले भोगसिंह की चीखने की आवाज सुनाई दी। बाहर निकलकर देखा कि महेश पैंकरा डंडे से उस पर वार कर रहा था। भोगिसंह महेश पैंकरा का मामा था। उसने बीच बचाव करते हुए आरोपित से डंडा छीन लिया। इसके बाद आरोपित अपने घर की तरफ भाग गया। भोगसिंह के सिर, घुटने के अलावा शरीर के अन्य हिस्सो में चोटें आई थी। ग्रामीणों भोगसिंह को अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे इसी दौरान उसकी मौत हो गई।

सरकारी कर्मचारी से साढ़े 24 लाख की ठगी

भिलाई। साइबर ठगी करने वाले शातिरों ने एनआइसी जिला कार्यालय दुर्ग के एक कर्मचारी से 24 लाख 50 हजार 500 रुपये की ठगी की है। आरोपियों ने शेयर मार्केट में रुपये निवेश करने पर 10 से 100 प्रतिशत तक का लाभ देने का झांसा देकर उससे अलग-अलग खातों में रुपये जमा करवाकर ठगी की है। घटना की शिकायत पर दुर्ग कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी की धारा के तहत प्राथमिकी कर मामले की जांच शुरू की है। पुलिस ने बताया कि सेक्टर-6 निवासी शिकायतकर्ता ईश्वर लाल वर्मा ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपितों ने 12 मई से सात जून के बीच कुल 24 लाख 50 हजार 500 रुपये की ठगी की है। अपने जाल में फंसाने के लिए आरोपियों ने पीड़ित को एक वाट्सएप ग्रुप में जोड़ा। जिस ग्रुप का नाम स्टाक प्राफिट टिप्स एंड स्ट्रैटजिस एस-1 था। उस ग्रुप का एडमिन रवि सिंह नाम का व्यक्ति था।

उस व्यक्ति ने अपने बारे में जानकारी देते हुए पीड़ित को बताया था कि वो बांद्रा महाराष्ट्र में रहता है और 15 साल से फ्रैंकलिन टेंपल्टन नाम की कंपनी में काम कर रहा है। आरोपित ने ये भी बताया कि उसको शेयर मार्केट की अच्छी जानकारी है और वो अपनी कंपनी के माध्यम से करोड़ों रुपये शेयर मार्केट में घुमा रहा है। आरोपितों की बातों में आकर पीड़ित ने भी शेयर मार्केट में रुपये लगाकर पैसे कमाने की सोची। इसके बाद आरोपित ने अलग अलग लोगों से पीड़ित की बात करवाई। आरोपितों ने ग्रुप में रजिस्ट्रेशन करवाने के बाद शेयर मार्केट में रुपये निवेश करने के नाम पर अलग अलग खातों में रुपये जमा करवाना शुरू किया।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक/चार/रा.वि./2024/1338/40 — भिलाई, दिनांक 14/06/2024

-::फ्री-होल्ड हेतु दावा आपत्ति सूचना ::-

छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर जिला रायपुर के आदेश कमांक एफ-8-5/2022/18 के सम संख्यक आदेश दिनांक 06.07.2022 द्वारा नगरीय निकायों के स्वयं के आधिपत्य/स्वामित्व के लीज होल्ड पर आबंटित आवासीय/व्यवसायिक (भवनों/फ्लैट्स/भू-खण्डों/परिसर/दुकानों) को संबंधित नगरीय निकायो राजस्व विभाग से विधिवत भू-स्वामित्व प्राप्त होने पर फ्री-होल्ड के रूप में संपरिवर्तित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

फ्री होल्ड के रूप में सपरिवर्तन के लिये निम्नांकित भूखण्ड धारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर कार्यालय मे आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं जिस पर नियमानुसार कार्यवाही कर फ्री-होल्ड के रूप संपरिवर्तन किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध मे किसी प्रकर की कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

क.	पट्टाधारी का नाम पिता/पति का नाम	योजना का नाम	ब्लाक क./भूखण्ड क.	आकार
1	श्री रामभगत अग्रवाल आ0 स्व0 रामकिशन अग्रवाल	पं0दीनदयालपुरम आवासीय योजना	09/10	216 व0मी0
2	श्रीमती पुनम तोमर पति श्री रामपाल सिंह	मदर टेरेसा नगर आवासीय योजना	35/01	57 व0मी0
3	श्रीमती पुनम तोमर पति श्री रामपाल सिंह	मदर टेरेसा नगर आवासीय योजना	35/02	57 व0मी0
4	श्रीमती पुनम तोमर पति श्री रामपाल सिंह	मदर टेरेसा नगर आवासीय योजना	35/03	57 व0मी0
5	श्रीमती सुपर्णा वर्मा आ0 बसंत कुमार वर्मा (पति-श्री धर्मवीर चन्द्राकर)	प्रियदर्शनीय परिसर पश्चिम आवासीय योजना	04/19	330 व0मी0
6	श्री अजय बाफना आ0 फुलचंदजी बाफना	मोतीलाल नेहरु नगर पूर्व आवासीय सह व्यवसायिक योजना	30	93.75 व0मी0
7	श्री उत्कर्ष भट्ट आ0 श्री राकेश भट्ट	कृष्णानगर सुपेला आवासीय सह व्यवसायिक	व्यवस्थापन	2108 व0फु0
8	श्री राजेश्वर राय आ0 मदन राय	इंदिरा नगर सुपेला आवासीय	व्यवस्थापन	2866.58 व0फु0
9	श्री हरजिन्दर सिंह आ0 तरसेम सिंह एवं श्रीमती परमजीत कौर पति हरजिन्दर सिंह	विश्वकर्मा मार्केट सुपेला व्यवसायिक	सी-01/02	11.25 व0मी0
10	श्री हरजिन्दर सिंह आ0 तरसेम सिंह एवं श्रीमती परमजीत कौर पति हरजिन्दर सिंह	विश्वकर्मा मार्केट सुपेला व्यवसायिक	सी-01/03	11.25 व0मी0
11	श्री कैलाश चंद केशरवानी आ0 स्व0 कपूर चंद केशरवानी, सुभाष चंद केशरवानी, रमेश चंद केशरवानी, सुरेश चंद केशरवानी, महेश चंद केशरवानी, गणेश चंद केशरवानी पांचों का आ0 स्व0 सरजू प्रसाद केशरवानी एवं श्री शत्रुघन केशरवानी आ0 छेदीलाल केशरवानी	इंदिरा पारा केम्प 02 व्यवसायिक	व्यवस्थापन	2112.50 व0फु0
12	श्रीमती श्याम सुन्दरी देवी पत्नि स्व0 बैकुण्ठ शुक्ला, अरविन्द शुक्ला, सुधाकर शुक्ला, मनोज शुक्ला, प्रकाश शुक्ला चारों का आ0 स्व0 बैकुण्ठ शुक्ला	सरकुलर मार्केट केम्प 02 व्यवसायिक व्यवस्थापन	एच-1	120 व0फु0

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, भिलाई

कार्यालय
1 छ.ग. घुड़सवार रेजीमेंन्ट एन.सी.सी. अंजोरा, दुर्ग
दूरभाष- 0788-2623458, फैक्स-0788-2623458
email-cgrvregtnccdurg@rediffmail.com

1 आरबी/402/लेखा./एनसीसी/बजट — दिनांक 13 जून 2024

परिशिष्ट-2

शासकीय निविदा का प्रकाशन

1. 1 छ.ग. घुड़सवार रेजीमेंट एनसीसी अंजोरा दुर्ग छत्तीसगढ़ राज्य के एक मात्र घुड़सवार रेजीमेंट युनिट है. जिसमें विद्यालय/महाविद्यालयों के छात्र/छात्राओं को घुड़सवारी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है. वित्तीय वर्ष 2023-24 में नव- प्रवेशी कैडेटो के प्रारंभिक प्रशिक्षण हेतु घुड़सवारी सिम्युलेटर का क्रय किया जाना प्रस्तावित है. अतः संबंधित पंजीकृत/अधिकृत सप्लायरों से घुड़सवारी सिम्युलेटर का क्रय किये जाने हेतु मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है. निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक 27 जून 2024 समय-12 बजे तक ही जमा किये जावेगे. सामग्री से संबंधित अन्य जानकारी हेतु कार्यालयीन समय में कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है.

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 27 जून 2024 अपरान्ह 1200 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि - 27 जून 2024 शाम 0400 बजे

COL
Offg Commanding Officer
CG R&V Regt NCC Anjora Durg

जी-242500339/3

कार्यालय जिला आयुर्वेद अधिकारी, बालोद (छ.ग.)

क्रमांक/स्टोर/2024/1846-49 — बालोद दिनांक 11.06.2024

निविदा की सूचना

वित्तीय वर्ष 2024-25 में शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय चिखलाकसा दल्लीराजहरा जिला बालोद छ.ग. (30 शैय्या युक्त) में भर्ती रोगियों के लिए लगने वाली खाद्य सामाग्री (पका हुआ भोजन) प्रदाय करने हेतु निविदा दाताओं से मोहर बंद निविदायें नगर पालिका दल्लीराजहरा क्षेत्र अंतर्गत पंजीकृत फर्म से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र कार्यालय जिला आयुर्वेद अधिकारी, जिला बालोद छ.ग. से कार्य दिवस में प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक 500/- (रूपये पाँच सौ मात्र) का चालन हेड (0210 - चिकित्सा शिक्षा, 03 - चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण व अनुसंधान, 101 - आयुर्वेद, 0753 - विविध प्राप्तियां) में जमा कर प्राप्त किये जा सकते है।

निविदा बिक्री की अंतिम तिथि — 26.06.2024 दोपहर 03.00 बजे तक
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि — 03.07.2024 दोपहर 02.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि — 03.07.2024 दोपहर 03.00 बजे

(डॉ. ज्योति गजभिये)
जिला आयुर्वेद अधिकारी
बालोद (छ.ग.)

जी-242500353/3

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

पुसेवाडा में चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी के तहत 13 जून 2024 को दुलकी माइन्स के समीप स्थित ग्राम पुसेवाडा में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। पुसेवाडा में आयोजित चिकित्सा शिविर में कुल 47 लोगों की जांच करके उनको दवाई वितरण किया गया, जिनमें 9 पुरुष, 30 महिला तथा 8 बच्चे शामिल थेद्य प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए शिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी जांच के अतिरिक्त नि:शुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:शुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है।

सेक्टर-4 बीएसपी सोसाइटी की आमसभा 16 को

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज को-ऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 की सालाना आमसभा 16 जून रविवार को सुबह 10 बजे बीकेपी क्लब स्ट्रीट 6-7 के समीप सेक्टर-4 में आयोजित है। जिसमें अध्यक्ष का स्वागत भाषण, प्रतिवेदन बैलेंस शीट (2023-24) की स्वीकृति, बजट (2024-25) को मंजूरी और वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंकेक्षण की नियुक्ति को अनुमति देने सहित अन्य गतिविधियां होगीं। अध्यक्ष अशोक परगनिहा ने बताया कि आय-व्यय का विवरण संस्था कार्यालय में उपलब्ध है और सदस्यों को अपना फेटोयुक्त पासबुक एवं गेट पास लाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि निर्धारित 50 वर्ष की आयु तक वाले बीएसपी व एनएसपीसीएल कर्मियों को आमसभा स्थल पर ही ऑन द स्पॉट सदस्यता भी दी जाएगी।

देश और छत्तीसगढ़ की मंचीय कलाओं के बीच सहकार की योजना: डॉ. परदेशीराम वर्मा

भिलाई। अगासदिया परिसर भिलाई मे कथक और रवीन्द्र संगीत की साधिका संगीत शिक्षिका भूमिका माने, शिक्षाविद रजनी नेलसन तथा इजा मारिया नेलसन और पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन के साथ छत्तीसगढ़ी मंचीय कलाओं पर बातचीत का सफ्ल सत्र संयोजित हुआ। भूमिका माने एक साफ्टवेयर इंजीनियर है लेकिन छुटपन से संगीत साधना की दिशा में परिवारिक प्रोत्साहन उन्हें मिला। भूमिका ने बताया कि देश में शास्त्रीय नृत्य, संगीत के साथ छत्तीसगढ़ की मंचीय विधाओं को सम्मिलित कर प्रतिभाशाली प्रतिभागियों को सतत प्रशिक्षण देकर तैयार करने की वृहद योजना है। डॉ. परेदशीराम वर्मा ने कहा कि इस दिशा में यह बहुत महत्वपूर्ण विचार है। हम कला क्षेत्र में उदार पहल के इस कदम को महत्वपूर्ण मानते हैं। पंडवानी, पंथी और नाचा विधाओं के तीन पद्मश्री कलाकार श्रीमती उषा बारले, डॉ. राधेश्याम बारले तथा डोमार सिंह कंवर की सहभागिता में इसकी पूरी रूपरेखा बनाई जाएगी। सबसे पहले नाचा के प्रतिभाशाली कलाकार डोमारसिंह कंवर के गांव लाटाबोड़ में शीघ्र ही वैचारिक समागम होगा। उसके बाद पंडवानी और पंथी की कलाकार उषा बारले एवं डॉ. राधेश्याम बारले की उपस्थिति में भिलाई में इसका अगला चरण होगा। पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन ने इस अवसर पर कहा कि यह प्रेरक और दूरगामी प्रभाव डालने वाले सहकार की दृष्टि से आदर्श कला-योजना है। शिक्षाविद रजनी नेलसन ने देश और छत्तीगढ़ की मंचीय कलाओं को एक छत के नीचे जानने और सीखने के लिए अगासदिया के किए जाने वाले रचानात्मक प्रयास को महत्वपूर्ण बताया।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर जन जागरण समारोह का भव्य आयोजन

वरिष्ठ जनों की सेवा सर्वोपरी: रिकेश सेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वरिष्ठ नागरिक महासंघ एवं हेल्पेज इंडिया (छ.ग.) रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर वैशाली नगर सियान सदन में शुक्रवार को जन जागरण समारोह का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन थे एवं अध्यक्षता महासंघ के अध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू ने की। हेल्पेज इंडिया के राज्य प्रमुख शुभांकर बिस्वास, आईस्कान महिला विंग की अध्यक्ष यमला साहू, वृद्धाश्रम जुनवानी के संचालक अजय सिंह कल्याणी, वरिष्ठ नागरिक महासंघ के प्रमुख सलाहकार घनश्याम कुमार देवांगन विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

उपस्थित वरिष्ठ नागरिक समुदाय को संबोधित करते हुए विधायक रिकेश सेन ने कहा कि वरिष्ठ जनों की सेवा सर्वोपरी है और उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र ही निराकरण किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महासंघ के अध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू ने अपने उद्बोधन में सभी वरिष्ठ नागरिकों को अपने परिवार एवं समाज के साथ खुशहाल जिंदगी जीने हेतु प्रेरित किया। समारोह को विशिष्ट अतिथि महासंघ के वरिष्ठ सलाहकार घनश्याम कुमार देवांगन, आईस्कान महिला विंग की अध्यक्ष यमला साहू एवं अजय सिंह कल्याणी आदि ने भी संबोधित किया।

समारोह के आरंभ में दीप प्रज्वलन एवं पूजा अर्चना के पश्चात वरिष्ठ नागरिक महासंघ का धवज फ्हराया गया। वरिष्ठ नागरिक महासंघ एवं विभिन्न सियान सदनों के पदाधिकारियों ने अतिथियों का पुष्पाहार से स्वागत किया। इसके पश्चात हेल्पेज इंडिया के राज्य प्रमुख शुभांकर बिस्वास ने हेलपेज संदेश का वाचन किया और वरिष्ठ नागरिकों के लिए शासन द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं की जानकारी दी। महासंघ के संगठन मंत्री जे.आर. साहू ने स्वागत भाषण देते हुए आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और समस्त नागरिकों को वृद्धजनों के प्रति होने वाले दुर्व्यवहार के प्रति जागरूकता लाने एवं उसके रोकथाम हेतु सार्थक प्रयास करने पर बल दिया। समारोह में हेल्पेज इंडिया के राज्य प्रमुख शुभांकर बिस्वास, आईस्कान महिला विंग की अध्यक्ष यमला साहू, वृद्धाश्रम जुनवानी के संचालक अजय सिंह कल्याणी, वरिष्ठ नागरिक महासंघ के प्रमुख सलाहकार घनश्याम कुमार देवांगन, उपाध्यक्ष बलबीर सिंह सहगल, कोषाध्यक्ष एम. एल. कश्यप, जे.आर. साहू, जियालाल चौधरी, फूल सिंह साहू, धनीराम साहू, एन पी मिश्रा, दिनेश मिश्रा, राजपाल सिंह राघव, गंगाचरण पुरोहित, बाबूलाल साहू, एच के बिसेन, रतनलाल गोयल, राजेन्द्र वार्णेय, हुकुमचंद देवांगन, ओमप्रकाश साहू, रामकिशन देवांगन, पुरेन्द्र वर्मा, जोहनलाल साहू सहित अंचल के समस्त सियान सदनों के पदाधिकारी एवं सदस्य गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। समारोह का संचालन महासंघ के महासचिव गजानंद साहू ने एवं आभार प्रदर्शन एच. के. बिसेन ने किया। राष्ट्रगान के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ । इसके पश्चात वरिष्ठ नागरिक महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्टोरेट दुर्ग जाकर कलेक्टर की अनुपस्थिति में अपर कलेक्टर अरविन्द एक्का को वरिष्ठ नागरिकों के हित संवर्धन एवं कल्याण हेतु छत्तीसगढ़ राज्य सियान आयोग गठन करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

निगम भिलाई क्षेत्र में मच्छर उन्मूलन हेतु चलाया जन जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कलेक्टर महोदया के आदेशानुसार निगम आयुक्त के मार्गदर्शन में आगामी वर्षा ऋतु के आमगन को ध्यान में रखते हुए वार्ड 41 औधोगिक क्षेत्र छावनी के आदिवासी मोहल्ला, श्रमिक बस्तीयों में मच्छर उन्मूलन एवं जलजनित मौसमी बिमारियो से बचाव हेतु जन जागरूकता अभियान चलाया गया।

आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने अधिकारी कर्मचारियो को निर्देश देते हुए बताया है कि आगामी वर्षाऋतु आमगन पर है इसे ध्यान में रखते हुए निचली बस्तीयों एवं जल भराव वाले क्षेत्रो का निरीक्षण कर बरसाती पानी जमा होने से एवं पानी से फैलने वाले जलजनित बिमारियो से बचने मच्छर उन्मूलन की रोकथाम हेतु भिलाई निगम क्षेत्र में जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। नागरिक अपने घरो के कुलर, पुराने टायर, टंकी, ड्रम, पुराने मटके इत्यादि को खाली रखे एवं आस पास की सफाई करते रहे। चुकिं साफपानी में ही मच्छरों का प्रजनन होने से अण्डा देता है जिससे लार्वा बनता है और उल्टी, दस्त, पीलिया, डायरिया जैसे बिमारियां फैलते है। आयुक्त ने नागरिको से अपील की है कि बरसात के दिनों में होने वाले मौसमी बिमारियों से अपने एवं अपने परिवारजनो को बचाये साथ ही मैलाथियान दवाई एवं जला आईल का छिड़काव भी करे। जागरूकता अभियान के तहत वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के. के. सिंह शहरी परिवार कल्याण केन्द्र सुपेला से विजय सेजुला, एस.के.दिल्लीवार, मनोज साहू, जिला मलेरिया विभाग से राजकुमार भसकोलो, उमेश कपूर, मितानीन शोभा शाह के साथ निगम के जोन स्वास्थ्य अमला लगातार शामिल है यह जागरूकता अभियान शतत रूप से चल रहा है सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है।

निगम एमआईसी की बैठक महापौर की अध्यक्षता में सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एमआईसी की बैठक की गई। इस बैठक में नगर निगम महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, समेत एमआईसी के सभी सदस्य निगम के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहें। बैठक महापौर धीरज बाकलीवाल की अध्यक्षता में ली गई।जिसमें विकास कार्यो,वित्त विभाग, स्वास्थ्य विभाग,लोक कर्म विभाग, राजस्व विभाग तथा जल विभाग से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई।

आपको बता दें कि, बैठक में निगम महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने निगम की आय बढ़ाने एमआईसी सदस्यों की बैठक में अधिकारियों को टैक्स वसूली बढ़ाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र में हर घर और दुकान सहित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सर्वे कर ऐसे मकान व दुकानों की सूची बनाई जाए जिन्होंने बिना निगम की अनुमति के निर्माण किया है और सभी निर्माण पर टैक्स निर्धारण करें।वार्ड क्रमांक 52 आनंद विहार से गणपति विहार तक नाला निर्माण कार्य भूमि विवाद होने के कारण नवीन परिवर्तन कर कार्य स्थल -वार्ड 52 कदम प्लाजा चौक से मन्नम नगर मुख्य मार्ग की ओर नाला निर्माण कार्य की स्वीकृति दी गई है।वार्ड क्रमांक 53 बोरसी क्षेत्र में माता तालाब से हनुमान मंदिर तक सीसी सड़क निर्माण कार्य हेतु 4 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति अधोसंरचना मद मुख्यमंत्री घोषणा 25 करोड़ अतर्गत प्राप्त है। वार्ड 53 में अन्य स्थान पर कार्य अति आवश्यक होने के कारण वार्ड पार्षद द्वारा नवीन कार्य स्थल पर अटल आवास के पास नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय पहुंच मार्ग निर्माण कार्य की अनुशंसा है जी पर स्थल परिवर्तन हेतु चर्चा की गई।मिशन क्लीन सिटी योजना अंतर्गत वर्ष 2011 जनगणना के आधार पर 57451 मकान/ दुकान से डोर टू डोर कलेक्शन कार्य हेतु 582 स्वच्छता दीदी की स्वीकृति प्रदान की गई थी।

ढौर तालाब का कार्य बहुत जल्द पूर्ण होगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । वार्ड 22 कुरुद बस्ती में स्थित ढौर तालाब की सफाई के लिए विगत कई वर्षों से नहीं हुई थी। तालाब में जलकुंभी, तालाब के पानी से बदबू आना शुरू हो गया था। तालाब में जोंक, साँप इन सभों का बसेरा था, तालाब के सफाई कि बेड़ा वार्ड वासियों ने नगर नगर निगम के सहयोग से सुरुवात की।

भाजयुमो के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मयंक गुप्ता ने बताया कि वार्ड वासियों ने तालाब की सफाई के लिए लगभग 60000 रुपये, तालाब में जलकुंभी जमी हुई थी जिसको खत्म करने के लिए वार्ड निवासी रवींद्र सोनी द्वारा दवाई मँगवाकर दवाई डलवाई गई, पुनराम वर्मा द्वारा स्वयं से तालाब में जलभराव के लिए बोर खनन करवा कर वार्ड वसियों को समर्पित किया गया, वार्ड 25 पार्षद नोहार वर्मा द्वारा अपने पार्षद निधि से 50000 रुपये दिये।

भिलाई भाजपा जिला अध्यक्ष ने बताया कि कुरुद के लोगों द्वारा जनसहयोग से एवं नगर निगम के पार्षद और निगम द्वारा सफाई करवा जा रहा था जिसपर मयंक गुप्ता के निवेदन पर सांसद विजय बघेल के निर्देश पर आयुक्त भिलाई नगर निगम से चर्चा कर लगभग 4 लाख रुपये से कार्य को पूर्ण करवाने के लिए निर्देशित किया। दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल के निर्देश पर भिलाई भाजपा ज़िला अध्यक्ष महेश वर्मा ने आयुक्त भिलाई नगर निगम से चर्चा कर कुरुद ढौर तालाब की सफाई को पूर्ण करवाने एवं पचरी संधारण के लिए लगभग 4 लाख रुपये प्रस्तावित हुआ। जिससे वार्ड वासियों में भारी उत्साह है और दुर्ग सांसद विजय बघेल एवं भिलाई भाजपा जिला अध्यक्ष का आभार व्यक्त कर रहे है।

वर्ल्ड ब्लड डोनर डे पर सीमांत कश्यप व सचिन मोरे का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वर्ल्ड ब्लड डोनर डे के उपलक्ष्य में सन्ना ब्लड बैंक के द्वारा मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन 14 जून दिन शुक्रवार को कर्मा भवन सुपेला में आयोजित हुआ प्रदेश स्तरीय रक्त मित्रो एवम सामाजिक संस्थाओं का सम्मान भी किया गया आयोजक सुरज साहू ने आगे बताया कि इस कार्यक्रम में जमीनी हकीकत पर हमेशा पत्रकारिता कर लोगों को सच दिखाने वाले पत्रकारों का सम्मान किया गया।

जिसमें क्राइम रिपोर्टर व केपी न्यूज के चैनल हेड सीमांत कश्यप पत्रकार सचिन मोरे (भाऊ) व शहर के अन्य पत्रकारों के साथ-साथ सांसद विजय बघेल , विधायक रिकेश सेन, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित साहू, श्रीमती तुलसी साहू , एवम गणमान्य लोग उपस्थित रहें इस कार्यक्रम में आयोजको द्वारा 500 से अधिक सेवा कार्य करने वाले ऐसे लोगो का सम्मान किया गया जो समाज के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करते आ रहे है प्रमुख रूप से उपहार फाउंडेशन समीर साहू, गगन फाउंडेशन डॉ हरजिंदर सिंह अंजली सिंह, स्मिता तांडी, प्रजा सेवा समिति जेडी खान, दीपक कुमार, श्री साई नाथ जन सेवा समिति, जी माधव राव, बजरंग भक्त युवा रक्तदान समिति, अवतार सिंह, महिला प्रकोष्ठ साहू समाज भिलाई, आफताब आलम स्वच्छता अभियान प्रेम साहू हर्ष देव साहू, छात्र युवा मंच नागेश यदु फनेंद्र जैन रक्त मित्र 118 बार रक्त दान ओम साई रक्तदाता फाउंडेशन स्टार लाइट फाउंडेशन, विद्या फाउंडेशन, पॉजिटिव एक्सओ हमदर्द धमतरी, सिख पंचायत, सिंधी समाज, भास्कर दुबे मीनाक्षी साहू, यामिनी, डॉ रोशन यादव, हीरा शंकर साहू अजीत साहू, दीपक साहू, डॉ. दिनेश साहू, रवि राजपूत, आदि का सम्मान किया हुआ।

सम्मान स्वरूप दिए गए पौधे

कार्यक्रम में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र विश्व रक्तदान दिवस के मौके पर संस्था के द्वारा हर किसी को एक पौधा दिया गया और सभी को बोला गया की जब तक पौधा पेड़ नहीं बनता आपकी जवाबदारी रहेगी। सभी के लिए ये सम्मान अनोखा था।

शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित हुए शक्ति जोन के कर्मचारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी में आयोजित शिरोमणि पुरस्कार समारोह में शक्ति जोन से उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शित करने वाले कार्मिकों को 12 जून 2024 को कर्म एवं पाली शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक राजीव पांडेय ने की। भिलाई इस्पात संयंत्र के ऐसे कार्मिक, जो अपने कार्यक्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों से ही सुरक्षा के सम्पूर्ण मापदंडों का पालन करते हुए, कंपनी के लक्ष्यों को पूर्ण करने के लिए अपने कार्य में नवीनता का प्रदर्शन करते है, उन्हें प्रबंधन द्वारा शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इसी सन्दर्भ में आयोजित कार्यक्रम में, जनवरी से मार्च तिमाही के लिए अति उत्तम कार्य प्रदर्शन हेतु पाली शिरोमणि पुरस्कार से प्रबंधक स्वराज झोड़े तथा कर्म शिरोमणि पुरस्कार से माह अक्टूबर 2023 के लिए ओसीटी प्रीति कुमारी, माह जनवरी 2024 के लिए चार्जमेन कम मास्टर तकनीशियन रामेश्वर प्रसाद सोनवानी, माह फरवरी 2024 के लिए चीफ मास्टर ऑपरेटर संतोष जगन्नाथ नाले, माह मार्च 2024 के लिए चार्जमेन कम मास्टर ऑपरेटर पुनारद राम ठाकुर, चीफ मास्टर ओसीटी एम वर्गीस तथा माह मई 2024 के लिए चार्जमेन कम वरिष्ठ तकनीशियन (पी एंड बीएस) विजय कुमार कन्नौजे को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने जीते कई पदक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राष्ट्रीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता 6 से 10 जून 2024 तक नागपुर, महाराष्ट्र मे आयोजित हुई। यह प्रतियोगिता पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन इंडिया के तत्वाधान कराई गई। जिसकी प्रेसिंडेट बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति झंगियानी उपस्थित रही। जिसमें छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 21 मेडल प्राप्त किये। खिलाड़ियों को मेडल एवं सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया है। छत्तीसगढ़ के महासचिव श्रीकांत ने अवगत कराया कि सभी विजेता खिलाड़ियों का चयन आगामी होने वाली विश्व पंजा कुश्ती प्रतियोगिता यूरोप 2024 एवं ओपन एशिया पंजा कुश्ती प्रतियोगिता जो 2024-2025 इंडिया में ही आयोजित है इसके लिए किया गया हैं।

भारतीय पंजा कुश्ती संघ के मुख्य संरक्षक एवं छत्तीसगढ़ पंजा कुश्ती संघ के अध्यक्ष जी सुरेश पिल्ले (बाबे) ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। साथ ही चेयरमैन बृजमोहन सिंह व आनंद साहू ने भी आशीर्वाद प्रदान किया। छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्णायक एवं टीम कोच ऋषभ जैन के नेतृत्व में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया, साथ ही अंतरराष्ट्रीय रेफरी व छत्तीसगढ़ के टीम कप्तान सन्नी बंसोड के मार्गदर्शन में टीम का प्रशिक्षण हुआ है और वे राष्ट्रीय प्रतियोगिता मे रेफरी भी थे। महिला टीम कप्तान रुपाली फूले व टीम मैनेजर राम किशोर साहू व राष्ट्रीय रेफरी आशीष बंसोड ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया।

विजेता खिलाड़ियों में सुरैया फातिमा, 45 किलोग्राम बालिका सब जूनियर लेफ्ट हैंड- रजत पदक, जूनियर राइट हैंड- स्वर्ण पदक लेफ्ट हैंड- स्वर्ण पदक, आकाश मिश्रा, 50 किलोग्राम बालक सब जूनियर राइट हैंड कांस्य पदक, तिलक बेहरा, 75द्मद बालक जूनियर लेफ्ट हैंड:- रजत पदक, मयंक ओझा, 85 किलोग्राम बालक यूथ लेफ्ट हैंड स्वर्ण पदक, अब्दुल कादिर 85 किलोग्राम बालक यूथ राईट हैंड स्वर्ण पदक, स्नेहा सिंह, 60 किलोग्राम, बालिका राइट हैंड कांस्य पदक, लेफ्ट हैंड कांस्य पदक, खुशी सिंह, 70 किलोग्राम बालिका लेफ्ट हैंड कांस्य पदक, श्रीमंत झा, +85 किलोग्राम पुरुष पैरा स्टैंडिंग लेफ्ट हैंड - स्वर्ण पदक, हर्ष कोडियर, पैरा स्टैंडिंग जूनियर-60 किलोग्राम लेफ्ट हैंड - स्वर्ण पदक, सीनियर-85 किलोग्राम लेफ्ट हैंड- स्वर्ण पदक, प्रीति यादव, 65 किलोग्राम पैरा वि.आई, राईट हैंड रजत पदक, लेफ्ट हैंड रजत पदक, बिंदा यादव, 70 किलोग्राम पैरा सिटिंग महिला राइट हैंड रजत पदक, राम खिलावन साहू, -85 किलोग्राम पैरा स्टैंडिंग लेफ्ट हैंड रजत पदक, पर्लीन कौर, 50 किलोग्राम पैरा वि.आई स्टैंडिंग राईट हैंड स्वर्ण पदक, लेफ्ट हैंड स्वर्ण पदक, जी. संदीप कुमार, 65 किलोग्राम पैरा सिटिंग राइट हैंड कांस्य पदक, होरी लाल यादव, -70 किलोग्राम पैरा सिटिंग लेफ्ट हैंड कांस्य पदक शामिल हैं।

पीपीसी विभाग में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु संचार मंच का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दिनाँक 12 जून 2024 को भिलाई इस्पात संयंत्र के पीपीसी विभाग (उत्पादन, योजना एवं नियंत्रण विभाग) द्वारा कार्मिकों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए संयंत्र भवन में संचार मंच का आयोजन किया गया।

मुख्य महाप्रबंधक (पीपीसी) तुषार कान्त की अध्यक्षता में आयोजित यह कार्यक्रम भिलाई इस्पात संयंत्र के उत्पादन, निष्पादन, गत माह के हाईलाइट्स, वर्तमान उत्पादन योजना, कार्यलयीन काम शत-प्रतिशत हिन्दी में ही सम्पादित करना जैसे विषयों पर केंद्रित था।

मुख्य महाप्रबंधक (पीपीसी) श्री तुषार कान्त ने अपने उद्बोधन में उत्पादन संबंधी चुनौतियों के बारे में जानकारी प्रदान की तथा राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है। यह समझने, बोलने एवं लिखने में सहज एवं सरल है। भिलाई इस्पात संयंत्र क क्षेत्र में स्थित है, अत: कार्यालयीन काम को शत-प्रतिशत हिंदी में करना, सभी कार्मिकों की नैतिक एवं प्रशासनिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यलयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विभागीय कार्मिकों द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की एवं इसे और बेहतर तरीके से करने के लिये सभी को प्रेरित किया। उन्होंने विभाग में हिंदी के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय मार्गदर्शन के लिये अनुभागप्रमुखों की प्रषंसा की।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में मोहम्मद नईम द्वारा तकनीकी प्रस्तुति देते हुए इस्पात से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही गत माह में संयंत्र की प्रमुख उत्पादन इकाइयों के निष्पादन रिकॉर्ड एवं हाईलाइट्स तथा वर्तमान माह जून-2024 में संयंत्र के उत्पादन योजना की जानकारी दी।

कार्मिकों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए श्री मोहम्मद नईम द्वारा हिंदी प्रतियोगिता श्रुतिलेख का आयोजन किया गया। इसमें उपस्थित कार्मिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में विभाग के महाप्रबंधकगण जी व्ही राव, व्ही एम कृष्णा एवं संजय दवे तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगणों ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन सहायक महाप्रबंधक (पीपीसी) तुकाराम साहू ने किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950